

: **त्रीफ बॉक्स :**

आईआईटी बॉम्बे सुसाइड

केस में प्रोफेसर पर

एफआईआर



मुंबई,एजेंसी। IIT बॉम्बे में स्टूडेंट साहिल रविंद्र वाकोडे की आत्महत्या के मामले में प्रोफेसर सूर्यनारायण डल्ला पर FIR दर्ज की गई है। साहिल के पिता ने प्रोफेसर पर बेटे को करीब 3 महीने से जातिसूचक गालियां देने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। साहिल के पिता ने अपनी शिकायत में IIT बॉम्बे के डायरेक्टर श्रीशिष बी. केदारे, कुछ फैकल्टी मेंबर्स और सीनियर अधिकारियों के नाम भी दिए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि डायरेक्टर के निर्देश पर साहिल का उत्पीड़न किया गया। पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने और SC/ST एक्ट की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है। मामले की जांच अब मुंबई क्राइम ब्रांच कर रही है।

साहिल 22 साल का था और एनजी साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में सेकंड ईयर BTech का छात्र था। वह 18 सितंबर की शाम IIT बॉम्बे के हॉस्टल नंबर-4 स्थित अपने कमरे में मृत मिला।

मुंबई में बीएमडब्ल्यू फ्लाईओवर से 75 फीट नीचे गिरी: 3 मौतें, 1 घायल



मुंबई,एजेंसी। मुंबई के कोस्टल रोड पर रविवार सुबह करीब 5:20 बजे तेज रफ्तार BMW फ्लाईओवर से करीब 75 फीट नीचे जा गिरी। हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। बीएमडब्ल्यू मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर ने कार पर से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद बीएमडब्ल्यू डिवाइड से टकराई और नीचे गिर गई। घटना का बीएमडब्ल्यू फुटेज भी सामने आया है।

मृतकों और घायलों की उम्र 17 से 23 साल के बीच: मृतकों की पहचान शनाय गज्जल (21), आदित्य जकसानिया (19) और धैर्य सेठ (17) के रूप में हुई है। घायल युवक की पहचान आदित्य ओसवाल (23) के तौर पर हुई है। चारों को नायर अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने तीन को मृत घोषित कर दिया।

सिया ने दोस्त की फोटो लगाकर फेक इंस्टा-आईडी बनाई



पुणे,एजेंसी। केतन अग्रवाल हत्या मामले में पुणे पुलिस ने 5,053 पन्नों की चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसके मुताबिक आरोपी सिया गोयल ने चेतन और रितेश के साथ मिलकर फेक इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया था। जिसके जरिए केतन को लोहगढ़ बुलाया गया था।

पुलिस के मुताबिक इंस्टा अकाउंट में परिचित महिला की फोटो लगाई थी। इससे केतन को मैसैज किया गया। उसे 18 जून को मोगतर सिया के सरप्राइज बर्थडे के नाम पर लोहगढ़ बुलाया गया। घटना के बाद इसे डिलीट कर दिया गया। चार्जशीट के मुताबिक, आरोपियों ने हत्या से जुड़ी फिल्में देखीं, साजिश के लिए चैट जीपीटी का इस्तेमाल किया और पुलिस से बचने के तरीकों पर पॉडकास्ट सुने।

जोधपुर के आसमान में भारतीय और जापानी वायु सेना प्रमुखों ने उड़ाया तेजस

● **राजनाथ सिंह ने भारत-जापान डिफेंस पार्टनरशिप के लिए मील का पथर बताया**



नई दिल्ली, एजेंसी। जोधपुर में चल रहे हवाई अभ्यास 'वीर गार्डियन' के दौरान रविवार को भारतीय वायु सेना प्रमुख और जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स चीफ ने तेजस फाइटर में उड़ान भरी, जबकि साथ में सुखोई-30 एमकेआई भी आसमान में गरजा। भारत-जापान के लिए इस हवाई पल ने एयर पावर और स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के शानदार प्रदर्शन को और बढ़ाया। यह उड़ान इंडिया और जापान के बीच बढ़ते डिफेंस सहयोग और ऑपरेशनल जुड़ाव को दिखाती है। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह और जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल ताकेहिरो मोरिता ने एयर फ़ोर्स स्टेशन जोधपुर में एक्सरसाइज वीर गार्डियन के दौरान लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस मार्क-1 में अलग-अलग उड़ान भरी। दोनों

एयर चीफ इस एक्सरसाइज के हिस्से के तौर पर उड़ान भरने से पहले अपने-अपने एयरक्राफ्ट की ओर बढ़े। दोनों देशों के बीच 9 सितंबर से शुरू हुई एक्सरसाइज 'वीर गार्डियन' 22 सितंबर तक चलेगी। इस द्विपक्षीय ड्रिल में दोनों देशों के फ्रंटलाइन फाइटर एयरक्राफ्ट शामिल हैं, जिसमें भारत के तेजस, सुखोई-30 एमकेआई, राफेल जेट और जापान के एफ-2ए फाइटर जेट शामिल हैं। इस एक्सरसाइज का मकसद इंटरऑपरेबिलिटी और डिफेंस कोऑपरेशन को मजबूत करना है। यह द्विपक्षीय हवाई अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है, जब 10 सितंबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्सरसाइज 'वीर गार्डियन' में हिस्सा लेने के लिए टोक्यो के अपने फाइटर एयरक्राफ्ट भेजने को इंडिया-जापान डिफेंस पार्टनरशिप के लिए 'खास माइलस्टोन' बताया था।

प्रकृति की कीमत पर विकास नहीं:

सीजेआई सूर्यकांत बोले: पर्यावरण न्याय का ‘बरगद’ है सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। पर्यावरण और पारिस्थितिकी की सुरक्षा में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका का जिक्र करते हुए CJI सूर्यकांत ने शनिवार को शीर्ष अदालत को पर्यावरण न्याय का 'बरगद' का पेड़ बताया। उन्होंने कहा कि संरक्षण और विकास एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं, बल्कि दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) की ओर से आयोजित 'पर्यावरण और जलवायु गतिशीलता का भविष्य' कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए CJI ने

लेकिन संविधान के शब्द केवल बीज की तरह हैं। इन्हें अंकुरित होने और जीवन पाने के लिए न्यायिक समझ के पोषण की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इसी भूमिका को निभाया है।

अनुच्छेद 21 के तहत प्रदूषण मुक्त पर्यावरण का अधिकार: सुप्रीम कोर्ट के सक्रिय दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए CJI सूर्यकांत ने कहा कि शीर्ष अदालत ने प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के अधिकार को अनुच्छेद 21 में सीधे शामिल

‘संरक्षण के बिना प्रगति मृतगुप्ता’: CJI ने कहा कि दशकों से सुप्रीम कोर्ट इस विचार का समर्थन करता रहा है कि संरक्षण के बिना प्रगति एक ऐसी मृतगुप्ता है, जो पारिस्थितिक विनाश के रेगिस्तान में गायब हो जाती है। उन्होंने कहा कि अदालत के फैसलों में इस बात पर जोर दिया गया है कि प्रकृति की रक्षा करना केवल परोपकार का कार्य नहीं, बल्कि आत्म-संरक्षण है।

करके इसे मौलिक अधिकार बनाया है।

बारिश का कहर : छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 4 की जान गई

केदारनाथ पैदल मार्ग पर लैंडस्लाइड, यात्रा रुकी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में मानसून अब वापसी की ओर बढ़ रहा है, लेकिन कई राज्यों में बारिश से जुड़े हादसे जारी हैं। मध्य प्रदेश के आगर-मालवा जिले में शनिवार को तेज बारिश के बाद उफनते नाले में एक कार बह गई। हादसे में ओडिशा के एक ही परिवार के 7 सदस्यों सहित 8 की मौत हो गई। सभी लोग उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर से नलखेड़ा स्थित मां बगलामुखी मंदिर जा रहे थे। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में

और बिजली गिरने की आशंका है। रायपुर, दुर्ग, बेमेतरा, बालोद, कबीरधाम, राजनांदगांव और बीजापुर जिलों में अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में केदारनाथ पैदल मार्ग पर चिरबासा के पास लगातार लैंडस्लाइड हो रही है। पहाड़ी से बड़े-बड़े पथर गिरने के कारण प्रशासन ने सुबह 9 बजे तक यात्रा रोक दी थी। इस दौरान यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया। सुबह 9 बजे के बाद यात्रा दोबारा शुरू हुई। इधर दो दिन की देरी से मानसून राजस्थान से विदा होने लगा है। मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि पश्चिमी राजस्थान से मानसून की सामान्य विदाई तारीख 17 सितंबर है, लेकिन इस बार 19 सितंबर विदाई शुरू हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- शराबबंदी करके क्या मिला:

गुजरात ड्राई स्टेट, फिर भी जहरीली शराब से 600+ मौतें

» रोक लगाने से अवैध कारोबार बढ़ जाता है

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि शराबबंदी से शराब की लत और जहरीली शराब से होने वाली मौतें खत्म नहीं होतीं। कोर्ट ने कहा कि जबरन शराबबंदी, शराब की समस्या का समाधान नहीं है। जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने कहा कि गुजरात में दशकों से शराबबंदी लागू है, लेकिन जहरीली शराब से हो रही मौतें नहीं रुकीं। मेथनॉल मिली शराब से 10 बड़े

इन नियमों के तहत मेथनॉल खरीदने और रखने को निषेजित किया गया था। गैर-खवा निमाताओं को बिक्री से पहले मेथनॉल में रंग और कड़वा पदार्थ मिलाया जरूरी था।

कोर्ट ने भावनगर, गुजरात और सागर, मध्य प्रदेश में हाल में हुई जहरीली शराब की घटनाएं अधिकारियों को फिर से जागने और

महाराष्ट्र के नियमों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई: सुप्रीम कोर्ट महाराष्ट्र पॉइजन्स रूल्स के नियम 18 और 18क को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इन नियमों के तहत मेथनॉल खरीदने पर रोक लगाई गई थी। गैर-दवा निर्माता को मेथनॉल बेचने से पहले उसमें कड़वा पदार्थ और रंग मिलाना भी जरूरी किया गया था। ये नियम 1991 में मुंबई के छाया बार से खरीदी गई नकली शराब पीने के बाद हुई मौतों के बाद लागू किए गए थे। कुल 250 लोगों ने यह शराब पी थी, जिनमें से 93 की मौत हो गई थी। बाद में पता चला था कि इन लोगों ने मेथनॉल पीया था। मेथनॉल जहर से कम खतरनाक नहीं होता।

कार्रवाई करने की याद दिलाती हैं। ‘कोर्ट ने इन नियमों को असंवैधानिक और मनमाना बताया। कोर्ट ने कहा कि इनसे उद्योगों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा। ये नियम उन मूल

समस्याओं का समाधान नहीं करते, जिनसे जहरीली शराब की घटनाएं होती हैं। इनमें मेथनॉल की चोरी, उसका गलत जगह पहुंचना और भ्रष्टाचार शामिल हैं।

भाजपा बोली- कांग्रेस जोकरों की पार्टी बनी

शिक्षा मंत्री बोले: पीएम की मां का अपमान किया

राहुल के छात्रों की गूंज कार्यक्रम पर विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी के इंदौर में हुए कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' पर विवाद हो गया है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम में पीएम मोदी की मां का अपमान किया गया।

केंद्रीय मंत्री किरन रिजजू ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में लिखा- कांग्रेस पार्टी कॉमिडियंस और जोकर्स की पार्टी बन गई है। वे हमेशा के लिए बाहर हो गए हैं... रेस्ट इन पीस।

शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा- राहुल और कांग्रेस पार्टी

कने के लिए करना बुनियादी मानवीय संवेदना और राजनीतिक संस्कृति की चौकाने वाली कमी दिखाता है। दूसरी तरफ कांग्रेस ने BJP और RSS पर शिक्षा व्यवस्था को खोखला और भ्रष्ट करने का आरोप लगाया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के साथ खड़े हैं, इसलिए सरकार से सवाल पूछ रहे हैं और जवाबदेही मांग रहे हैं।

राहुल बोले- सरकार के पास दिया जलाने का पैसा, हॉस्टल का नहीं: वहीं राहुल

कांग्रेस का दावा: 7.8 करोड़ नाम हटे, 5.43 करोड़ मतदाताओं पर लटकी तलवार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव (संचार) और सांसद जयराम रमेश ने मतदाता सूचियों के स्पेशल ड्रैसिबल रिवीजन (एसआईआर) को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि एसआईआर के पहले और दूसरे चरण में 7.8 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए। यह एसआईआर से पहले की मतदाता सूची के मुकाबले 13 फीसदी है। जयराम रमेश ने एक्स पर जारी किए एक बयान में कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने जून 2025 में बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया का पहला चरण शुरू किया था। इसके बाद नवंबर 2025 में 9

रज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में इसका दूसरा चरण शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि एसआईआर का तीसरा चरण 2026 के मध्य में 16 रज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू हुआ। इस चरण में अब तक 12 रज्यों

और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के आंकड़ों के आधार पर 36.06 करोड़

5.43 करोड़ मतदाताओं को नोटिस का दावा: कांग्रेस नेता के मुताबिक, इसके अलावा 5.43 करोड़ मतदाताओं को नोटिस जारी कर मतदाता सूची में अपना नाम बनाए रखने के लिए अतिरिक्त दस्तावेज मांगे गए हैं। उनका दावा है कि इससे 15 फीसदी और मतदाताओं के नाम हटाए जाने का खतरा है।

मतदाताओं में से 6.18 करोड़ के नाम हटाए गए हैं।

अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में दूतावासों को अलर्ट भेजा

ट्रम्प छुट्टी खत्म होने से पहले व्हाइट हाउस लौटे

● **दावा- अमेरिकी विमान ब्रिटिश एयरवेस से रवाना हुए**

वॉशिंगटन डीसी/ तेहरान, एजेंसी। मिडिल-ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। अमेरिका ने इलाके में मौजूद अपने दूतावासों और नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने लोगों से ज्यादा सतर्क रहने को कहा है। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपना कैंप डेविड दौरा एक दिन पहले खत्म कर शनिवार शाम व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रम्प की जल्दी वापसी की वजह व्हाइट हाउस ने नहीं बताई है।

वहीं, रशिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी क 1क लांसर बॉम्बर ने ब्रिटेन के RAF फेंयरफोर्ड एयरबेस से फुल आफ्टरबर्नर के साथ उड़ान भरते हुए मिडिल-ईस्ट की तरफ रवाना हुआ है।

ईरान के प्रेस TV ने भी उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-हसकाह में खराब

9 देशों में अमेरिकी नागरिकों को सावधानी की सलाह... अमेरिका ने इराक, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में रह रहे अपने नागरिकों को सावधान रहने को कहा है।

अल-जिर एयरबेस के पास एयर डिफेंस एक्टिविटी की जानकारी दी है। अमेरिका ने कहा कि मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए इन देशों की यात्रा करने वाले अमेरिकियों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। अमेरिकी नागरिकों से कहा गया है कि वे फ्लाइट और एयरपोर्ट से जुड़ी ताजा जानकारी देखते रहें।

ईशान आनंद को मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी:

आकाश आनंद और उनकी बहन को पार्टी में नहीं लिया जाएगा वापस : मायावती

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि आकाश आनंद और उनकी बहन को पार्टी में किसी भी हालत में वापस नहीं लिया जाएगा। यदि भाई आनंद के परिवार से किसी को अगर पार्टी में शामिल करना होगा तो ईशान आनंद को सम्मानजनक जिम्मेदारी देकर इनको आगे किया जायेगा। अगर ईशान ने पार्टी विरोधी कोई भी गम्भीर कृत्य किया तो फिर इनको भी पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया जायेगा।

बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर एक विस्तृत

है तो उन्हें मेरी तरह अपने परिवार के मोह से ऊपर उठकर पूरी ईमानदारी व निष्ठा से पार्टी के लिए कार्य करना होगा। उन्होंने पार्टी के संस्थापक काशीराम की राजनीति का जिक्र करते हुए कहा कि उनके राजनीति में आने के बाद उन्होंने अपने सभी नजदीकी रिश्ते-नातों आदि को राजनीतिक लाभ देने से हमेशा दूर रखा है। उन्हें केवल निःस्वार्थ भावना से पार्टी संगठन में कार्य करने की ही इजाजत दी। उन्होंने अपनी पूरी जिन्दगी, अपना खुद का परिवार ना बनाकर, 'बहुजन समाज' के हित व कल्याण के लिए ही समर्पित की।

स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार पर कलेक्टर का जोर: एफएलएन, नियमित उपस्थिति और परीक्षा परिणाम सुधारने के दिए निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने कुसमी विकासखंड के शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता और विद्यार्थियों की उपलब्धि में सुधार के लिए विद्यालय स्तर पर नियमित समीक्षा और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं जनपद सभागार

कुसमी में प्राचार्यों एवं जन शिक्षकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विद्यालयों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपलब्धि और विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई कलेक्टर ने लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति और एफएलएन

कक्षाओं के प्रभावी संचालन पर विशेष जोर दिया उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में बुनियादी साक्षरता एवं गणितीय कौशल को मजबूत करने के लिए विद्यालय स्तर पर निरंतर प्रयास किए जाएं कक्षा 1 से 12वीं तक का पाठ्यक्रम निर्धारित समयसीमा में पूरा कराने तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक

उपलब्धि में सुधार के लिए विद्यालयवार प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए बैठक में आउट ऑफ स्कूल बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने पर भी चर्चा हुई कलेक्टर ने ऐसे बच्चों की पहचान कर उनके विद्यालय में प्रवेश नहीं लेने के कारणों का पता लगाने और आवश्यक कार्रवाई करने को कहा उन्होंने छात्रवृत्ति वितरण तथा अपार आईडी निर्माण की प्रक्रिया भी समयसीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का व्यापक स्तर पर आयोजन कराने को कहा गया इसके साथ ही आधार शिविरों के आयोजन, ड्रॉप बॉक्स के माध्यम से बच्चों को इम्पोट करने, ईको क्लब की गतिविधियों तथा साक्षरता सर्वे और साक्षरता कक्षाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने सभी पात्र

लोगों को साक्षरता कार्यक्रम से जोड़ने के लिए प्रभावी प्रयास करने पर भी जोर दिया विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा के दौरान क्रियाशील शौचालय, विद्यालय भवन, पुस्तकालय और प्रयोगशालाओं की स्थिति की जानकारी ली गई कलेक्टर ने कहा कि विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग केवल रखरखाव तक सीमित न रहे बल्कि उनका विद्यार्थियों की पढ़ाई और व्यावहारिक ज्ञान बढ़ाने में अधिकतम उपयोग किया जाए कलेक्टर ने उजियारा कार्यक्रम के तहत जेईई एवं नीट कोचिंग की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए अनिवार्य भर्ती की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों की संख्या और उनकी तैयारी की स्थिति की जानकारी लेते हुए

आगामी भर्ती प्रक्रिया को ध्यान में रखकर आवश्यक तैयारियां करने को कहा नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा और एनएमएमएस की कोचिंग की भी नियमित समीक्षा के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने प्राचार्यों और जन शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, शैक्षणिक उपलब्धि और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करना प्राथमिकता होनी चाहिए उन्होंने समीक्षा में सामने आए बिंदुओं पर समयबद्ध कार्रवाई तथा उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग से विद्यालयों के शैक्षणिक वातावरण को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए बैठक में उपखंड अधिकारी सागर जैन, सहायक परियोजना प्रशासक पीके पाण्डेय, बीआरसीसी ऑग्य प्रसाद द्विवेदी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य, जन शिक्षक तथा संबंधित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। तहसील बहरी के ग्राम चंदवाही में रेलवे लाइन के लिए प्रस्तावित मार्ग पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध प्रशासन ने कार्रवाई की उपखंड अधिकारी सिहावल राकेश शुक्ला के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान रेलवे लाइन के रास्ते में बनाए गए 26 छोटे मकानों को हटाया गया कार्रवाई के बाद संबंधित भूमि रेलवे विभाग को आगामी कार्रवाई के लिए सौंप दी गई प्रशासन के अनुसार रेलवे लाइन के प्रस्तावित मार्ग में कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण कर छोटे-छोटे मकान बनाए गए थे इन अतिक्रमणों को रेलवे परियोजना

के लिए चिन्हित भूमि पर अनधिकृत निर्माण के रूप में चिह्नित किया गया था प्रशासन द्वारा कुल 56 मकानों को चिन्हित किया गया है, जिनमें से 26 अतिक्रमण आज हटाए गए। कार्रवाई के दौरान प्रशासन, राजस्व, पुलिस तथा रेलवे विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे टीम द्वारा चिन्हित अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई नियमानुसार की गई प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शेष चिन्हित अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई भी जारी रहेगी कार्रवाई के बाद भूमि रेलवे विभाग को अग्रिम आवश्यक कार्रवाई के लिए सौंपने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

दो क्लिनिक सील, एक्सपायरी दवाएं मिलीं, दूसरे डॉक्टर के नाम पर इलाज का आरोप



मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शनिवार को बुद्धर क्षेत्र में दो निजी क्लिनिकों पर छापामार कार्रवाई करते हुए उन्हें सील कर दिया जांच के दौरान एक क्लिनिक में एक्सपायरी दवाएं मिलीं जबकि दूसरे क्लिनिक में संचालक के पंजीयन और वहां किए जा रहे इलाज को लेकर अनियमितताएं सामने आई स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दोनों स्थानों से दवाएं जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है स्वास्थ्य विभाग की तीन सदस्यीय टीम ने सबसे पहले हीरा कॉलोनी के

पास स्थित डॉ. केएन गुप्ता के क्लिनिक की जांच की विभाग के मुताबिक डॉ. गुप्ता सेवानिवृत्त शासकीय चिकित्सक हैं और क्लिनिक में मरीजों को दवाएं देकर इलाज किया जा रहा था। जांच के दौरान उनका पंजीयन केवल कंसल्टेंसी से संबंधित पाया गया इसके बावजूद क्लिनिक में मरीजों के इलाज और दवा देने की गतिविधियां सामने आई जांच के दौरान टीम को क्लिनिक में एक्सपायरी दवाएं भी मिलीं अधिकारियों ने इन दवाओं को जब्त कर लिया स्वास्थ्य विभाग ने

पंजीयन से जुड़े अनियमितताओं और एक्सपायरी दवाएं मिलने के बाद क्लिनिक को सील कर दिया इसके बाद टीम ने खैराह रोड स्थित सरईकापा के अभयराज हॉस्पिटल में जांच की यहां कई मरीज भर्ती मिले। कुछ मरीजों को ड्रिप्स भी लगी हुई थी स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जांच में सामने आया कि क्लिनिक संचालक डॉ. अभयराज दूसरे डॉक्टर के नाम पर मरीजों का इलाज कर रहे थे विभाग के मुताबिक डॉ. अभयराज के पास बीपीटी (बैचलर ऑफ फिजियोलैथैपी) का पंजीयन है। इसके बावजूद अस्पताल में मरीजों को भर्ती कर एलैोपैथिक उपचार दिए जाने की बात सामने आई टीम ने अस्पताल में रखी दवाओं की भी जांच की और आवश्यक दवाएं जब्त कर लीं। जांच के बाद अस्पताल की भी सील कर दिया गया यह कार्रवाई डीएचओ-1 डॉ. आरके शुक्ला, डीआईओ डॉ. अंशुमान सुमारे और बुद्धर बीएमओ डॉ. सचिन कारखुर की संयुक्त टीम ने की।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सीधी पहुंची सेवा ज्योति कलश यात्रा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत काशी से वड़नार तक निकाली जा रही सेवा ज्योति कलश यात्रा का सीधी जिले में आत्मीय स्वागत किया गया यात्रा के माध्यम से सेवा, जनभागीदारी और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता का संदेश आमजन तक पहुंचाया जा रहा है।

सिहावल विधानसभा क्षेत्र में गोपद पुल के समीप सीधी जिले की सीमा पर प्रदेश की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री राधा सिंह, सांसद डॉ. राजेश मिश्रा एवं विधायक विश्वामित्र पाठक ने यात्रा में शामिल युवाओं और सहयोगियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया इसके बाद सीधी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम शिवपुरवा में यात्रा में सहभागी युवाओं से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। यात्रा के दौरान दल के सदस्यों ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों तथा आमजन से संवाद किया इनमें खाद्य सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और प्रधानमंत्री स्वर्निधि योजना सहित विभिन्न योजनाओं के हितग्राही शामिल रहे संवाद के दौरान हितग्राहियों ने योजनाओं से मिले लाभ और अपने अनुभव साझा किए इस दौरान आमजन के साथ जनसेवा, राष्ट्रसेवा और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर संवाद हुआ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, ऑपरेशन सिंदूर, नक्सलवाद के उन्मूलन तथा वर्ष 2047 तक भारत को विश्व की आर्थिक महाशक्ति और विश्व गुरु बनाने के संकल्प जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई।

किसानों की जमीन पर उद्योग, रोजगार से बेदखली नहीं चलेगी : रामजीत सिंह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश किसान सभा ने जेपी नगर नौबस्ता स्थित सीमेंट उद्योग प्रबंधन पर किसानों और कर्मचारियों के अधिकारों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए विरोध जताया है किसान सभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामजीत सिंह ने कहा कि किसानों की जमीन पर खड़ा हुआ उद्योग प्रबंधन बदलने के बाद किसानों और वर्षों से काम कर रहे कर्मचारियों के अधिकारों से स्पष्ट ने कीर्ती मोड़ सकता उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों की जमीन के बदले रोजगार की मांग को लेकर संघर्ष जारी रहेगा रामजीत सिंह ने कहा कि जिन किसानों ने अपनी जमीन उद्योग के लिए दी है और जिनके परिवार के सदस्यों की नौकरी अभी बाकी है

उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जाना चाहिए उन्होंने जमीन के सौदों, मुआवजे और रोजगार से जुड़े पुराने समझौतों की निष्पक्ष जांच कराने तथा संबंधित शर्तों को सार्वजनिक करने की मांग की किसान सभा ने आरोप लगाया कि जमीन के बदले नौकरी, ठेका और रोजगार की शर्तों के आधार पर वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों को हटाने अथवा दूसरे राज्यों में भेजने की कार्रवाई उचित नहीं है संगठन ने कंपनी प्रबंधन से ऐसी कार्रवाई तत्काल रोकने की मांग की है रामजीत सिंह ने कहा कि जिन जमीनों का अवाह काानून के अनुसार समाप्त हो चुका है उन्हें किसानों को वापस किया जाए। यदि उद्योग को दोबारा जमीन की आवश्यकता है तो किसानों

की सहमति और कानून की निर्धारित प्रक्रिया के तहत नया समझौता कर उचित मुआवजा दिया जाए उन्होंने कंपनी के सीएसआर कार्यों पर भी सवाल उठाते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और पेयजल सहित क्षेत्रीय विकास पर किए जा रहे खर्च का पूरा विवरण जनता के सामने रखने की मांग की। रामजीत सिंह ने कहा कि प्रबंधन बदलने से किसानों के अधिकार नहीं बदल सकते। यदि बातचीत से समाधान नहीं निकला तो किसान सभा लोकतान्त्रिक तरीके से जनआंदोलन को और तेज करेगी उन्होंने कहा कि राघवेंद्र सिंह की शहादत की धरती पर किसानों के अधिकारों का संघर्ष कमजोर नहीं बल्कि और मजबूत होगा।

गजरी की महुआ कुकीज को बाजार की नई पहचान की तैयारी: भोपाल प्रशिक्षण से महिलाओं ने सीखी 8 वैरायटी, बढ़ेंगे व्यावसायिक अवसर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जंगल और गांवों में आसानी से उपलब्ध महुआ अंव गजरी की महिलाओं के लिए केवल पारंपरिक वन उपज नहीं रह गया है बल्कि इसे मूल्यवर्धित खाद्य उत्पाद के रूप में बाजार से जोड़ने की पहल की जा रही है महिला उत्पादक समूह की महिलाओं द्वारा तैयार की जा रही महुआ कुकीज को बाजार की बदलती परसंद और उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप बेहतर बनाने के लिए समूह की छह सदस्यीय टीम ने भोपाल में दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया प्रशिक्षण में मंजू सिंह, कलावती साकेत, नॉन बाई सिंह, चंद्रवती साकेत, श्यामकली सिंह एवं गौरी साहू शामिल हुई प्रशिक्षण का आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ लाइवहुड डेव्लप रिसर्च एंड ट्रेनिंग संस्था एवं मध्य प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला पंचायत

सीधी के सहयोग से संचालित रिस्टोर फॉर हरित परियोजना के अंतर्गत किया गया।



बाजार की परसंद के अनुरूप कुकीज में होगा निखार: महिला उत्पादक समूह की महिलाएं पहले से महुआ कुकीज तैयार कर रही हैं। भोपाल में आयोजित प्रशिक्षण का उद्देश्य उनके मौजूदा उत्पाद को आधुनिक तकनीक और बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप और बेहतर बनाना रहा। महिलाओं को महुआ के बेहतर प्रसंस्करण, उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने, स्वाद में विविधता लाने तथा उपभोक्ताओं की परसंद के अनुसार कुकीज तैयार करने की तकनीक समझाई गई। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को महुआ से आठ अलग-अलग वैरायटी की कुकीज तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इससे समूह के पास अपने उत्पाद में

विविधता लाने और अलग-अलग उपभोक्ता वर्गों के लिए नए उत्पाद विकसित करने के विकल्प उपलब्ध होंगे। परियोजना के सब्सिड मैटर एक्सपर्ट स्वामी शरण कुशवाहा एवं दीपांशी शर्मा ने महिलाओं को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दिया महिलाओं ने प्रशिक्षण के दौरान स्वयं विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार किए और उनकी निर्माण प्रक्रिया, गुणवत्ता

तथा प्रसंस्करण से जुड़ी बारीकियों को समझा भोपाल से लौटते के बाद समूह की महिलाएं प्रशिक्षण में सीखी तकनीकों को अपने गांव में संचालित उत्पादन कार्य में शामिल करेंगी इससे महुआ कुकीज के स्वाद, स्वरूप और गुणवत्ता में सुधार के साथ उत्पाद को बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने में मदद मिलेगी।

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश किसान सभा के कार्यकारी जिलाध्यक्ष तेजभान सिंह ने अतिवृष्टि से किसानों की फसलों को हुए नुकसान का तत्काल सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश के कारण खेतों में खड़ी फसलें प्रभावित हुई हैं ऐसे में प्रशासन को गांव-गांव पहुंचकर वास्तविक नुकसान का आकलन कर किसानों को राहत उपलब्ध करानी चाहिए तेजभान सिंह ने कहा कि किसानों ने महीनों की मेहनत और अपनी पूंजी लगाकर फसलें तैयार की थीं, लेकिन अतिवृष्टि के कारण खेतों में खड़ी फसलें खराब हो रही हैं उनके अनुसार मूंन, उड़द, अरहर और सोयाबीन सहित विभिन्न

फसलों बर्बाद, सरकार दीये जलाने में व्यस्त तेजभान सिंह,किसान सभा ने अतिवृष्टि से हुए नुकसान का तत्काल सर्वे कराकर मुआवजा देने की मांग की

रही है ऐसी स्थिति में किसानों के सामने उत्पादन लागत निकालना और घरेलू जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो सकता है किसान सभा ने प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों में फसल नुकसान का जल्द से जल्द सर्वे कराने की मांग की है तेजभान सिंह ने कहा कि राजस्व, कृषि और पंचायत विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम बनाकर गांव-गांव भेजी जाए तथा खेतों में जाकर फसलों को नुकसान पहुंचा है सब्जी उत्पादक किसान भी बारिश से प्रभावित हुए हैं। टमाटर, लौकी, बरबटी, मिर्च, बैंगन, करेला और तोरई जैसी सब्जियों के खराब होने से किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है उन्होंने कहा कि खेतों में फसल नुकसान के साथ घरों में भंडारित प्याज भी बारिश और नमी के कारण खराब हो



फसलों को नुकसान पहुंचा है सब्जी उत्पादक किसान भी बारिश से प्रभावित हुए हैं। टमाटर, लौकी, बरबटी, मिर्च, बैंगन, करेला और तोरई जैसी सब्जियों के खराब होने से किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है उन्होंने कहा कि खेतों में फसल नुकसान के साथ घरों में भंडारित प्याज भी बारिश और नमी के कारण खराब हो

और उनकी प्राथमिक चिंता खेतों में हुए नुकसान की भरपाई है इसी संदर्भ में उन्होंने सरकार से कहा कि पहले किसानों के खेतों और फसलों के नुकसान का आकलन किया जाए इसके बाद अन्य आयोजनों पर ध्यान दिया जाए। किसान सभा ने कहा कि अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को केवल आश्वसन देने के बजाय राहत की ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है संगठन ने तत्काल सर्वे, नुकसान का आकलन और मुआवजा वितरण की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। तेजभान सिंह ने कहा कि यदि किसानों की फसलों के नुकसान का शीघ्र सर्वे कराकर राहत और मुआवजे की कार्रवाई शुरू नहीं की गई तो किसान सभा प्रभावित किसानों को लामबंद कर आंदोलन करेगी।

निर्माणाधीन मकान में 68 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या: कमरे से बदबू आने पर हुआ खुलासा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के भाद के पास पशुपतिनाथ कॉलोनी में 68 वर्षीय रमाशंकर गर्ग की हत्या के मामले में पुलिस को जांच के दौरान कई अहम सुगम मिले हैं बुजुर्ग की धाददार हथियार से हत्या एक निर्माणाधीन मकान के कमरे में की गई थी पुलिस घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और फूछ्छाछ के आधार पर हत्या की वजह और आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है पुलिस की शुरुआती जांच में आर्थिक लेनदेन का पहलू भी सामने आया है इसके चलते मृतक के परिजनों, परिचितों और लेनदेन से जुड़े लोगों से फूछ्छाछ की जा रही है मृतक के बड़े बेटे मुंई में रहते हैं और उनके सतना पहुंचने में देरी के कारण शव का पोस्टमार्टम रविवार तक के लिए टाल दिया गया है। **कमरे से बदबू आने पर लोगों को हुआ शक:** हत्या का खुलासा शुक्रवार देर शाम उस समय हुआ, जब निर्माणाधीन मकान के आसपास रहने वाले लोगों को कमरे से बदबू आने लगी संदेह होने पर उन्होंने डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने बाहर से बंद मकान का दवाजा खुलवाकर अंदर प्रवेश किया। कमरे में चारपाई पर रमाशंकर गर्ग का शव पड़ा मिला पुलिस के अनुसार शव कई दिन पुराना प्रतीत हो रहा था शरीर और चेहरे पर धाददार हथियार से वार के निशान मिले हैं घटनास्थल की स्थिति के आधार पर पुलिस को अंशका है कि बुजुर्ग पर सोते समय हमला किया गया। कमरे में लगी मच्छरदानी भी कटी हुई मिली है पुलिस इस तथ्य को जांच का अहम हिस्सा मानकर घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ रही है। हत्या में इस्तेमाल हथियार की तलाश भी की जा रही है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयुष्मान भारत और नशामुक्त भारत अभियान पर हुई जनजागरूकता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को गांधी चौक सीधी में आयुष्मान भारत योजना एवं नशामुक्त भारत अभियान पर केंद्रित नुककड़ नाटक का आयोजन किया गया कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेने तथा नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन अपनाने का संदेश दिया गया नुककड़ नाटक में कलाकारों ने प्रभावी संवाद और अभिनय के माध्यम से स्वस्थ जीवन के महत्व को सहज और रोचक तरीके से प्रस्तुत किया कलाकारों ने बताया कि समय पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने और उपलब्ध योजनाओं की



जानकारी रखने से जरूरतमंद परिवारों को उपचार संबंधी सुविधाएं प्राप्त करने में सहायता मिल सकती है लोगों को आयुष्मान भारत योजना के

अंतर्गत उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और पात्रता संबंधी जानकारी प्राप्त करने तथा आवश्यकता पड़ने पर शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने

के लिए प्रेरित किया गया नाटक के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया कलाकारों ने बताया कि नशे का प्रभाव केवल

व्यक्ति के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता बल्कि इससे परिवार की खुशियां, सामाजिक संबंध और आर्थिक स्थिति भी प्रभावित हो सकती है नशे की आदत के कारण होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान और परिवार पर पड़ने वाले प्रभावों को संवाद एवं अभिनय के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया गया कार्यक्रम के दौरान नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों को सहयोग देने तथा आवश्यकता पड़ने पर उचित परामर्श और सहायता लेने का संदेश भी दिया गया युवाओं से विशेष रूप से नशे से दूरी बनाए रखने और खेल, शिक्षा, रचनात्मक कार्यों तथा अन्य स्वस्थ गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया गया मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक मुकेश

कुमार गौर ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव लाना है उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति सजगता और नशे से दूरी स्वस्थ एवं सशक्त परिवार तथा समाज के निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला है युवाओं की सक्रिय भागीदारी से नशामुक्ति और स्वास्थ्य जागरूकता के संदेश को व्यापक स्तर तक पहुंचाया जा सकता है नुककड़ नाटक देखने के लिए गांधी चौक पर बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने मनोरंजक प्रस्तुति के माध्यम से स्वास्थ्य और नशामुक्ति से जुड़े संदेश लोगों तक पहुंचाए। उपस्थित लोगों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशे से दूर रहने का संकल्प लिया।

खानपान पर राजनीति

राम पुनियाी

आज के दौर में राजनीतिक प्रोपेगेंडा से समाज के नजरिए को प्रभावित करने के बहुत से उदाहरण हमारे सामने हैं। खानपान की आदतें भी विभाजनकारी राजनैतिक प्रवृत्तियों के हाथ में एक औजार बन गई हैं। यह तर्क दिया जाता है कि मुसलमान इसलिए अधिक हिंसक होते हैं क्योंकि वे मांसाहारी होते हैं। पवित्र गाय और गौमांस के सेवन को भी इससे जोड़ दिया गया और नतीजे में हम भारत में लिंचिंग की शुरूआत के साक्षी बने जिसके मुख्य शिकार मुस्लिम होते हैं!किंतु साथ ही बड़ी संख्या में दलितों को भी इसका सामना करना पड़ता है। हाउसिंग सोसायटियों में किसे रहने की इजाजत दी जाए और किसे नहीं, यह भी खानपान की आदतों के आधार पर तय होने लगा है। हाउसिंग सोसायटियां फ्लैट बेचने की अनुमति देने के पहले खरीदार की खानपान की आदतों के बारे में पूछताछ करती हैं। यह मुद्दा अधिक जटिल स्वरूप में हाल में बंगाल में सामने आया जहां पूजा-पंडालों के आसपास मांसाहारी खाद्य सामग्री न रखने की सलाह दी गई। साथ ही, समाज का एक तबका यह मांग कर रहा है कि जैन धर्म के पर्यूषण पर्व के दौरान मांसाहारी खाद्य पदार्थों पर प्रतिबंध लगना चाहिए।

धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री (पच्चीवाले बाबा, जिन्हें प्रधानमंत्री अपना छोटा भाई कहते हैं) की

दुर्गापूजा में मांसाहार पर निषेध की सलाह की मिलीजुली प्रतिक्रिया हुई। कुछ ही दिनों में बंगाल का सबसे बड़ा उत्सव, दुर्गा पूजा प्रारंभ होने वाला है। भाजपा हाल ही में पश्चिम बंगाल में सत्ता पर काबिज हुई है। बंगाल में भाजपा की राजनैतिक शक्ति में बढ़ोतरी के साथ-साथ वहां भगवान राम को बढ़ावा देने का सिलसिला शुरू हो गया है। भाजपा और उसके समर्थकों द्वारा भगवान राम पर केन्द्रित उत्सवों को बढ़ावा दिया जा रहा है। राम का सहारा लेने से भाजपा को उत्तर भारत में जबरदस्त चुनावी लाभ हुआ, जिसका प्रभाव पूरे देश के चुनावी परिदृश्य पर पड़ा।

भाजपा ने हाल में सत्ता संभालने के बाद बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री को बंगाल आने का न्यौता दिया। वे हावड़ा के लिलुआह में हनुमान कथा सुनाने के लिए आए थे। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि पूजा के दौरान मांसाहारी खाद्य पदार्थों को दुर्गा प्रतिमा से दूर रखा जाए। ऐसा ही परामर्श आरएसएस की सहयोगी संस्था व्हीएचपी द्वारा कुछ दिन पहले दिया जा चुका था। इससे बंगाली हिन्दू नाराज हो गए। इनमें वे हिन्दू भी शामिल थे जो स्वयं को ‘हिन्दू राष्ट्रवादी’ कहते हैं। कई प्रमुख बंगालियों ने अपना विरोध प्रदर्शित किया और वक्तव्य जारी कर कहा कि शास्त्री को हमें यह सिखाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए कि हम दुर्गापूजा कैसे मनाएं और क्या खाएं और क्या

न खाएं।

इस प्रतिक्रिया की वजह यह तथ्य है कि मछली और बकरे के मांस से बनने वाले व्यंजन दुर्गा उत्सव का लगभग अनिवार्य हिस्सा हैं। कई लोगों ने इस ओर ध्यान दिलाया कि मछली का बंगाली संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है और मांसाहारी खाद्य पदार्थ हिंदू धर्म के कई धार्मिक संस्कारों का हिस्सा हैं। त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल तथगत रॉय से लेकर कई पत्रकारों, कंटेड क्रियेटर्स, समाज के विभिन्न वर्गों के व्यक्तियों, जिनमें स्वयं को ‘बंगाली हिन्दू राष्ट्रवादी’ कहने वाले भी शामिल हैं, ने इसके प्रति विरोध प्रदर्शित किया। ‘‘बंगालियों को यह न बताया जाए कि वे दुर्गा पूजा कैसे मनाएं’’ कोलकाता की कंटेड क्रियेटर श्रेयसी विश्वास बैनर्जी ने फेसबुक पर लिखा। उन्होंने एक वीडियो भी अटैच किया जिसमें उन्होंने कहा कि एक ‘बाहरी व्यक्ति’ विशिष्ट बंगाली धार्मिक और पाक परंपराओं के कायदे निर्धारित कर रहा है। कई लोगों ने शास्त्री के पोस्टरों को फाड़ और विकृत किया।

शुभेन्द्र अधिकारी, जिन्होंने शास्त्री का बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया था, कोलकाता के कालीघाट मंदिर में एक समारोह में शामिल हुए और प्रसाद के रूप में तली हुई मछली का सेवन किया। कई लोगों ने कहा कि मछली बंगाली संस्कृति का केन्द्रीय तत्व है। भारत सभी दृष्टियों से

अत्यंत विविधतापूर्ण है चाहे वह खानपान हो, वेशभूषा हो, भाषा हो या धर्म। हिन्दुओं के कई पंथ हैं और कई तरह की खानपान की आदतें और परंपराएं हैं। मटन के व्यंजन कश्मीरी ब्राह्मणों की संस्कृति का अपरिहार्य भाग है। खानपान की आदतें कई कारकों से निर्धारित होती हैं। भौगोलिक स्थिति उसका एक महत्वपूर्ण आधार होता है। तटीय क्षेत्रों में समुद्री भोजन आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

हाल में संपन्न हुए ब्रिक्स सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए रात्रिभोज में केवल शाकाहारी भोजन परोसा गया। संयोगवश शी जिनपिंग इस भोज में शामिल नहीं हुए, इसकी वजह चाहे जो भी रही हो। जहां विपक्ष ने अंतर्राष्ट्रीय अतिथियों के लिए केवल शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराने की आलोचना की वहीं किर्न रिजुजू ने इसका बचाव करते हुए कहा कि अतिथियों ने मेनू की तारीफ की। इससे सरकार का यह नजरिया भी जाहिर होता है कि भारत केवल शाकाहारी व्यंजनों वाला देश है। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में राज्य के सभी जिलों के मुख्य व्यंजनों का एक मानचित्र प्रकाशित करवाया। इसमें लखनऊ के टुंडेकबाव का जिन्न नहीं था और केवल शाकाहारी व्यंजनों को सम्मिलित किया गया था, मानो उत्तरप्रदेश पूरी तरह शाकाहारी हो। एक अन्य घटनाक्रम में 14

मुसलमानों को केवल इसलिए नजरबंद कर दिया गया क्योंकि वे गंगा नदी में नौका विहार करते हुए रोजा अभ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खा रहे थे। इस घटना का एक दिलचस्प पहलू यह है कि उसी समय वहां नौका विहार कर रहे उन हिन्दुओं के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई जो शराब पी रहे थे। यह है भाजपा सरकारों के हाल।

यह जानते हुए भी कि लगभग 70 प्रतिशत भारतीय मांसाहारी हैं, भाजपा सरकारों द्वारा शाकाहार को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह अभियान कई स्थानों पर सफल भी हुआ है। गुजरात में, जहां पिछले तीन दशकों से भाजपा की सरकार है, मांसाहारी व्यंजन बेचने वाली दुकानें और रेस्टॉरेंट लगभग गायब हो गए हैं। कई लोग गुजरात की सीमा के बाहर के निकटवर्ती स्थानों पर जाकर मांसाहार की अपनी इच्छा पूरी करते हैं।

भाजपा की दुविधा यह है कि वह भारतीयों की प्रचलित खानपान की आदतों और अपने शाकाहार लादने के एजेंडे के बीच संतुलन कैसे कायम करे। हर संभव अवसर पर वह और उसके सहयोगी संगठन शाकाहार को बढ़ावा देने की कोशिश करते हैं। किसी वजह से भाजपा मांसाहार को मुसलमानों से जोड़ती है। जबकि मांसाहार धर्म की सीमाओं के परे भारतीयों की खानपान की आदतों का अभिन्न अंग है।

रोजगार की चुनौती

प्रधानमंत्री ने बीसवें रोजगार मेले में इक्यावन हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए यह प्रतिबद्धता जताई कि उनकी सरकार रोजगार बढ़ाने के लिए हर मोर्चे पर काम कर रही है। यह सही है कि मोदी सरकार ने 2022 में पहले रोजगार मेले की शुरुआत करते हुए 2023 के अंत तक दस लाख सरकारी नौकरियां देने का लक्ष्य तय किया था और अभी तक 12.75 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं।

यह स्वाभाविक है कि यह सिलसिला काम चलाकू, लेकिन सच्चाई यह भी है कि सभी युवाओं को सरकारी नौकरियां देना संभव नहीं। वास्तव में कोई भी सरकार हो, वह नौकरी के आकांक्षी सभी युवाओं को सरकारी नौकरियां चाहकर भी नहीं दे सकती। इन स्थितियों में यह आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है कि ऐसी परिस्थितियां पैदा की जाएं, जिनसे निजी क्षेत्र में रोजगार के अधिकांश अवसर सृजित हो सकें। चूंकि नई तकनीक के आगमन और विशेष रूप से एआइ के कारण नौकरियों की प्रकृति बदल रही है, इसलिए निजी क्षेत्र में भी रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा करना एक चुनौती बन गया है।

आने वाले समय में यह चुनौती और बढ़ सकती है। यह सही है कि एआइ के चलते नौकरियों के जो परंपरागत अवसर खत्म होंगे, उनके स्थान पर नए अवसर उत्पन्न होंगे, लेकिन इन नए अवसरों को मुनाने के लिए शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करने की जो आवश्यकता है, उसकी पूर्ति तो प्राथमिकता के आधार पर की ही जानी चाहिए। यह ठीक नहीं कि वर्तमान में बड़ी संख्या में छात्र उच्च शिक्षा संस्थानों से ऐसी डिग्रियां लेकर निकल रहे हैं, जिनकी उपयोगिता कम होती चली जा रही है। आने वाले समय में सामान्य डिग्रीधारी छात्रों के लिए रोजगार के अवसर और

कम हो सकते हैं। इसे देखते हुए सरकार को शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन के लिए तेजी के साथ कदम उठाने होंगे। यह इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि हाल ही में नीति आयोग की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि आठ करोड़ से अधिक युवा ऐसे हैं, जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं और न ही कोई कार्य और न ही किसी तरह का प्रशिक्षण ले रहे हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट यह भी कहती है कि केवल 8.25 प्रतिशत

स्नातक ही ऐसे काम में लगे हैं, जो उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप है। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने बड़ते स्टार्टअप और कौशल विकास कार्यक्रमों की चर्चा की, लेकिन नीति आयोग के इस आकलन की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि व्यावसायिक शिक्षा और उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षण की कमी के कारण युवाओं की रोजगार क्षमता प्रभावित हो रही है। इसे देखते हुए नीति आयोग के सुझाव के अनुसार रोजगार की क्षमता बढ़ाने के लिए छठी कक्षा से ही छात्रों को

अभिरुचि एवं कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। आज भारत में कम से कम तीन जनसांख्यिकीय समूहों को फौरन रोजगार की जरूरत है। ये समूह हैं: बेहतर शिक्षित युवाओं की बढ़ती संख्या वाला समूह, अशिक्षित कृषि मजदूरों का समूह जो कृषिगत समस्याओं का समाधान चाहता है और युवा महिलाओं का वह समूह जो आज पहले से कहीं बेहतर शिक्षित है। भारत वास्तव में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एक है, लेकिन निवेश, उद्योग क्षमता, कृषि विकास आदि की चित्तजनक स्थिति के कारण यह रोजगार सृजन के मोर्चे पर काफी कमजोर स्थिति में है। इस लेख में हम निवेश, क्रेडिट निर्माण आदि कमजोर करेंगे हैं? रोजगार सृजन हेतु क्या आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिये? जैसे प्रश्नों पर विचार करेंगे।

कुल 5 करोड़ से अधिक मामले, देश की प्रगति में बाधा

संजय गुप्त

सुप्रीम कोर्ट से लेकर निचली अदालतों में लंबित मुकदमों की संख्या का विवरण यह रहस्य सामने आता ही रहता है। जब ऐसा होता है तो किसी न किसी स्तर पर चिंता व्यक्त की जाती है और फिर सब कुछ पहले की तरह ही चलने लगता है। देखना है कि हाल में आई एक रिपोर्ट पर देश के नीति-निर्णयता केवल प्रतिक्रिया ही व्यक्त करते हैं या फिर स्थितियों में सुधार के लिए कोई ठोस प्रयत्न भी करेंगे? इस रिपोर्ट के अनुसार देश के उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या 65 लाख से अधिक हो गई है। उच्च न्यायालयों में इतनी बड़ी संख्या में मुकदमों के लंबित होने का मतलब है कि हमारी न्यायिक व्यवस्था देश की प्रगति में आड़े आ रही है। यह सभी को विदित होना चाहिए कि किसी भी देश और विशेष रूप से विकासशील देश में यदि त्वरित न्याय नहीं होगा तो सामाजिक स्तर पर तो कुंठ बढ़ेगी ही, नियम-कानूनों का समय पर सही तरह पालन भी नहीं हो पाएगा। यह स्थिति केवल जनता को निराश करने का ही काम नहीं करती, बल्कि आर्थिक प्रगति में अवरोध भी बनती है। समस्या केवल यह नहीं है कि उच्च न्यायालयों में बड़ी संख्या में मुकदमे लंबित हैं, समस्या यह भी है कि उच्चतम न्यायालय में भी लंबित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है और निचली अदालतों में भी। एक और विडंबना यह है कि एनसीएलटी और न्यायाधिकरणों में भी लंबित मामले बढ़ रहे हैं।

यह कहना अनुचित नहीं होगा कि इनमें सरकार और कर्पणियों अथवा श्रेयधारकों के बीच के विवादित मसले जिस तरह उलझते और लंबे खिंचते रहते हैं, उससे भी स्थितियां बद से बदतर होती दिख रही हैं। कुल मिलाकर न्याय के किसी भी मंच पर समय पर न्याय मिलता कठिन होता जा रहा है। हाई कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या रेखांकित करने वाली रिपोर्ट के अनुसार सुप्रीम कोर्ट में ऐसी याचिकाएं आती रहती हैं, जिनमें उच्च न्यायालयों को मामले के शीघ्र निस्तारण का निर्देश देने की मांग की गई होती है। यह रिपोर्ट यह भी बता रही है कि उच्च न्यायालयों में सबसे अधिक लंबित मामले इलाहाबाद हाई कोर्ट और राजस्थान हाई कोर्ट में हैं। कुछ ऐसा ही हाल बंबई, मद्रास, कर्नाटक और मध्य प्रदेश हाई कोर्ट समेत अन्य उच्च न्यायालयों का भी है।

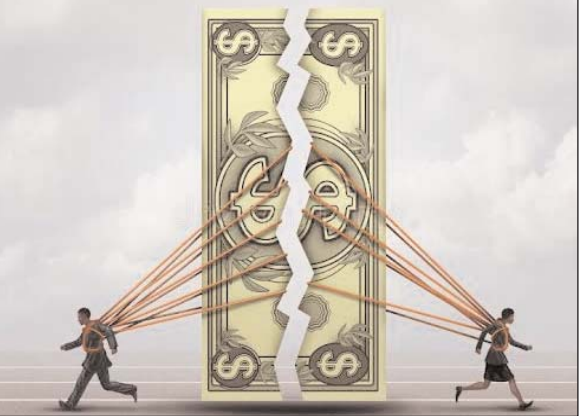
इलाहाबाद हाई कोर्ट में प्रत्येक न्यायाधीश की बेंच को औसतन डेढ़-दौ सौ मामलों की सुनवाई करनी होती है, लेकिन लंबित मामलों की भारी संख्या एक समस्या बनी हुई है। सुप्रीम कोर्ट की समस्या यह है कि वह उच्च न्यायालयों को किसी मामले की शीघ्र सुनवाई के लिए निर्देश नहीं दे सकता। इसका कारण यह है कि यदि वह कुछ मामलों में ऐसा करेगा तो उसके यहां ऐसी याचिकाओं का ताता लग जाएगा, जिनमें मामलों के शीघ्र निस्तारण की मांग की जाएगी। अच्छा होगा कि हमारे नीति-निर्णयता यह समझे कि वर्तमान न्याय प्रणाली आम जनता से लेकर कारपोरेट जगत और यहां तक कि शासन-प्रशासन की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पा रही है। समस्या केवल इतनी ही नहीं है कि न्यायाधीशों की कमी है। समस्या न्यायालयों में संसंधनों के अभाव की भी है। एक अन्य समस्या न्यायिक तौर-तरीकों की भी है। इन तरीकों के चलते ही तारीख पर तारीख का सिलसिला कायम हो जाता है। इस समस्या का समाधान तब तक नहीं होगा, जब तक सरकार, न्यायाधीश और वकील उसके निस्तारण के लिए आपस में मिलकर सक्रिय नहीं होते।

इस समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीशों के साथ कार्यपालिका और विधायिका के शीर्ष पदों पर बैठे लोग भी अपनी चिंता व्यक्त कर चुके हैं, लेकिन देश की व्यवस्था से जुड़े तीनों अंग अर्थात न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के बीच समस्या के समाधान के उपायों पर सहमति नहीं बन पा रही है। सभी को समय पर न्याय सुलभ कराने में धन के अभाव से अधिक राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव जिम्मेदार है। यदि न्यायपालिका और कार्यपालिका समस्या पर न्याय देने के उपायों को लेकर सहमति नहीं कायम कर पातीं तो न्यायिक तंत्र में सुधार होना कठिन ही है। आज जब देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और मोदी सरकार ने भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का एक लक्ष्य रखा है, तब त्वरित न्याय देने वाली प्रक्रिया निर्माण किया जाना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। न्याय प्रणाली में सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, क्योंकि ऐसे लंबित मामलों की संख्या भी बढ़ रही है, जो एक-डेढ़ या दो दशक पुराने हैं। कई मामलों में यह सामने आ चुका है कि लोग बिना दोषसिद्धि के ही वर्षों तक जेल में बंद रहते हैं।

रौमर वार्धणेय

यह टिप्पणी पहली नजर में उन कर्मचारियों के लिए असहज लग सकती है जो समान काम करने के बावजूद अलग वेतन पा रहे हैं। आखिर एक शिक्षक यदि वही कक्षा पढ़ा रहा है, वही पाठ्यक्रम पढ़ा रहा है और उसी तरह की जिम्मेदारियां निभा रहा है, तो उसके वेतन में अंतर क्यों हो? लेकिन न्यायालय का तर्क यह है कि सरकारी सेवा में वेतन केवल वर्तमान काम के आधार पर तय नहीं होता। किसी कर्मचारी की पिछली सेवा, भर्ती का तरीका, योग्यता और अनुभव भी उसके वेतन निर्धारण का आधार हो सकते हैं। यही इस फैसले की सबसे महत्वपूर्ण बात है। समान काम और समान वेतन हमेशा एक-दूसरे के पर्याप्त नहीं हैं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 में कानून के समक्ष समानता और कानूनों के समान संरक्षण का बीत कही गई है, जबकि अनुच्छेद 39(स) राज्य को पुरुषों और महिलाओं के लिए समान काम पर समान वेतन की दिशा में नीति बनाने का निर्देश देता है। न्यायपालिका ने लंबे समय तक इन संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर समान काम के लिए समान वेतन के सिद्धांत को सामाजिक न्याय के महत्वपूर्ण अंजीर के रूप में विकसित किया। लेकिन समय के साथ अदालत ने यह भी महसूस किया कि सरकारी सेवाओं की वास्तविकता केवल पदनाम और वर्तमान काम तक सीमित नहीं हैं। एक ही पद पर काम कर रहे दो कर्मचारियों की नियुक्ति अलग-अलग माध्यमों से हो सकती हैं। एक कर्मचारी वर्षों की सेवा के बाद पदोन्नत होकर आया हो सकता है, जबकि दूसरा उसी पद पर सीधे भर्ती हुआ हो। दोनों का वर्तमान काम समान हो सकता है, लेकिन उनकी सेवा-यात्रा समान नहीं होती।सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी इसी अंतर को रेखांकित करती है।



अदालत के अनुसार, समान वेतन का दावा करने वाले कर्मचारी को केवल काम की समानता नहीं, बल्कि प्रासंगिक सेवा-शर्तों में वास्तविक समानता भी स्थापित करनी होगी। यह बदलाव दरअसल समानता के सिद्धांत को खत्म करना नहीं, बल्कि उसकी व्याख्या को अधिक व्यापक बनाना है।

जीपी संगीता बनाम केरल राज्य एवं अन्य के मामले में विवाद शिक्षकों के वेतनमान को लेकर था। एक और सीधे भर्ती होकर जूनियर हारर सेकेंडरी स्कूल शिक्षक बने कर्मचारी थे, वहीं दूसरी ओर पदोन्नति अथवा स्थानांतरण के माध्यम से इस पद पर आए शिक्षक थे। दोनों वर्गों से संबंधित शिक्षक समान स्तर पर काम कर रहे थे और उनकी जिम्मेदारियों में भी व्यापक समानता थी। सीधे भर्ती हुए शिक्षकों का तर्क स्वाभाविक था. जब काम एक है, जिम्मेदारी एक है और पद भी समान है तो वेतनमान अलग क्यों?लेकिन अदालत ने सरवाल को केवल वर्तमान कार्य तक सीमित नहीं रखा। पदोन्नति से आए शिक्षकों की पिछली सेवा को भी महत्वपूर्ण माना गया। वे पहले से स्थायी और पूर्णकालिक लोअर स्कूल शिक्षक के रूप में सेवा कर रहे थे। उनकी लंबी सेवा और पूर्व सेवा-स्थिति को देखते हुए उन्हें मिलने वाला वेतनमान केवल नए पद की जिम्मेदारियों का मुतातान

नहीं था, बल्कि उनकी पिछली सेवा और अर्जित स्थिति की निरंतरता से भी जुड़ा था। यही वह बिंदु है जहां समान काम और समान सेवा-स्थिति के बीच अंतर सामने आता है।

यह सरवाल पूरी बहस के केंद्र में है। इसका जवाब न तो पूरी तरह हां है और न ही पूरी तरह नहीं। यदि दो कर्मचारी वास्तव में समान योग्यता, समान अनुभव, समान भर्ती प्रक्रिया और समान सेवा-शर्तों के तहत एक ही काम कर रहे हैं, तो वेतन में मनाफा

अंतर निश्चित रूप से समानता के संवैधानिक सिद्धांत पर सरवाल खड़ा कर सकता है।लेकिन यदि दो कर्मचारियों की सेवा में महत्वपूर्ण अंतर है. मसलन, एक लंबे अनुभव के बाद पदोन्नत होकर आया है और दूसरा सीधे भर्ती हुआ है . तो केवल वर्तमान काम की समानता के आधार पर दोनों का वेतन बिल्कुल समान कर देना भी हर परिस्थिति में न्यायसंगत नहीं माना जा सकता।सरकारी सेवा में अनुभव का अपना मूल्य है। वर्षों की सेवा के दौरान कर्मचारी ने न केवल काम किया होता है, बल्कि संस्थागत ज्ञान, प्रशासनिक अनुभव और जिम्मेदारियों का एक इतिहास भी अर्जित किया होता है। पदोन्नति के माध्यम से ऊपर आने वाले कर्मचारी के वेतन में उस सेवा-इतिहास का प्रतिबिंब होना असामान्य बात नहीं है। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने योग्यता और

गुजरात जैसी जगहों पर तो उसका यह आक्रामक शाकाहारवाद कल जाता है, लेकिन पश्चिम बंगाल में उसे कई विरोध का सामना करना पड़ रहा है। शास्त्री और उनके जैसे अन्य बाबा, जो पिछले कुछ दशकों में बड़ी संख्या में उग आए हैं, भी आरएसएस-भाजपा की इस राजनीति के झंडाबरदार बने हुए हैं।

शास्त्री इसी दिशा में प्रयासरत थे और उनकी कोशिश एक विशिष्ट प्रकार की खानपान की आदतों को बढ़ावा देने की थी। मानव समाज विभिन्न चरणों में विकसित हुआ है और खानपान की आदतें अत्यंत विविधतापूर्ण रही हैं। भाजपा-आरएसएस और उनके राजनैतिक-सांस्कृतिक समर्थकों का शाकाहार का महिमामंडन करना विचाधारात्मक वजहों से है। वीगनवाद या शाकाहार को बढ़ावा देने की अन्य वजहें भी हो सकती हैं, किंतु लोगों की खानपान की आदतों का सम्मान करना एक लोकतांत्रिक समाज का अभिन्न अंग होना चाहिए। इस बाबा को मांसाहार पर प्रतिबंध लगाने की वकालत करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। हो सकता है कि भाजपा कुछ अन्य तरीके अपनाकर अपने शाकाहारवाद पर टिके रहने की कोशिश करे जो ‘मुसलमानों से नफरत’ के उसके एजेंडे को आगे बढ़ाने में मददगार हो।

समान काम, समान वेतन की बदलती कसौटी

सदी बदल गई है, लेकिन समानता का सरवाल आज भी उतना ही प्रासंगिक है । फर्क सिर्फ इतना आया है कि अब समानता को देखने का संवैधानिक चश्मा पहले की तुलना में अधिक बारीक हो गया है । सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी ने इसी बदलाव को रेखांकित किया है । अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल यह तथ्य कि दो कर्मचारी एक जैसा काम कर रहे हैं और उनकी जिम्मेदारियां भी समान हैं, अपने-आप में समान वेतन का संवैधानिक अधिकार पैदा नहीं करता । वेतन-समानता के दावे को परखते समय भर्ती का स्रोत, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव और सेवा-नियमों जैसे पहलुओं को भी देखना होगा ।

अनुभव को उचित वर्गीकरण का आधार माना है, बशर्ते वर्गीकरण सेवा-नियमों और संवैधानिक कसौटियों पर टिकता हो।

अक्सर समानता का अर्थ यह समझ लिया जाता है कि हर व्यक्ति के साथ हर परिस्थिति में बिल्कुल एक जैसा व्यवहार किया जाए। लेकिन संवैधानिक कानून में समानता का अर्थ हमेशा एकरूपता नहीं होता। अनुच्छेद 14 उचित वर्गीकरण की अनुमति देता है। इसका अर्थ है कि यदि लोगों के बीच वास्तविक और प्रासंगिक अंतर है, तो कानून या सेवा-नियम उस अंतर के आधार पर अलग व्यवहार कर सकते हैं। शर्त यह है कि वर्गीकरण समानता न हो और उसका संबंध उस उद्देश्य से हो जिसे व्यवस्था हासिल करना चाहती है। मसलन, यदि किसी पद पर लंबे अनुभव वाले कर्मचारी को अधिक वेतन मिलता है तो उसका आधार केवल यह नहीं है कि वह अधिक महत्वपूर्ण व्यक्ति है। इसका आधार सेवा में अर्जित अनुभव और जिम्मेदारी हो सकता है।

दूसरी तरफ, यदि अनुभव का आधार केवल कामाज पर बनाया गया हो और उसका वास्तविक सेवा-शर्तों से कोई संबंध न हो, तो मामला अलग हो सकता है।

इसलिए अदालत की टिप्पणी को यह कहकर पढ़ना उचित नहीं होगा कि अब समान काम के लिए समान वेतन का सिद्धांत समाप्त हो गया है। अधिक सटीक बात यह है कि उस सिद्धांत को लागू करने की कसौटी अधिक व्यापक हो गई है। अदालत ने भर्ती के स्रोत को भी महत्वपूर्ण माना है। यह सरवाल स्वाभाविक है कि भर्ती का स्रोत किसी कर्मचारी के वेतन से क्यों जुड़ना चाहिए? सरकारी सेवाओं में नियुक्ति के अलग-अलग रास्ते हो सकते हैं. सीधी भर्ती, पदोन्नति, स्थानांतरण या अन्य निर्धारित प्रक्रियाएं। प्रत्येक माध्यम के लिए अलग पात्रता, अनुभव और सेवा-शर्तें निर्धारित हो सकती हैं।पदोन्नत

कर्मचारी ने पहले से सरकारी सेवा में एक निश्चित अवधि बिताई होती है। उसे पदोन्नति मिलने से पहले किसी दूसरे पद पर अनुभव प्राप्त हुआ होता है। वहीं सीधे भर्ती होने वाला व्यक्ति नए सिरे से उस कैडर में प्रवेश करता है।इस अंतर को पूरी तरह नजर अंदाज कर देना सेवा संरचना को प्रभावित कर सकता है। अगर हर नए पद पर पहुंचते ही पुराने और नए कर्मचारियों को हर मामले में समान वेतन दे दिया जाए, तो पदोन्नति और सेवा-अनुभव से जुड़े वास्तन ढांचे पर भी असर पड़ सकता है।इसलिए अदालत का दृष्टिकोण सेवा-व्यवस्था की पूरी संरचना को ध्यान में रखता है।यहां एक दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। समान काम करने वाले सीधे भर्ती कर्मचारियों की चिंता को केवल इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता कि उनके पास पिछली सेवा नहीं है।सरकार और उसके विभागों की जिम्मेदारी है कि वे वेतनमान निर्धारित करते समय स्पष्ट, पारदर्शी और तर्कसंगत नियम बनाएं।

यदि अलग वेतन का आधार अनुभव है तो अनुभव की गणना कैसे होगी? यदि योग्यता आधार है तो समान पद के लिए अलग-अलग योग्यता क्यों निर्धारित की गई? यदि भर्ती का स्रोत महत्वपूर्ण है तो उसका वेतन पर प्रभाव सेवा-नियमों में स्पष्ट क्यों न हो? यही वह क्षेत्र है जहां प्रशासनिक पारदर्शिता बेहद जरूरी हो जाती है। अदालतें प्रत्येक मामले में सेवा-नियमों और तथ्यों की जांच कर सकती हैं, लेकिन लंबे समय तक चलने वाले विवादों को कम करने का बेहतर तरीका स्पष्ट नियम बनाना है। इस मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट के एक फैसले का भी उल्लेख हुआ, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने माना। इसका सामान्य अर्थ है कि किसी निर्णय में ऐसे बाध्यकारी कानूनी सिद्धांत की अनदेखी हुई हो जिसे उस मामले में ध्यान में रखा जाना चाहिए था।

आज का राशिफल

मे़ष- मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक- 3-6-9

वृष- समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक- 4-7-9

मिथुन - हित के दूर में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। मनोरथ सिद्धि का

योग है। शुभांक-4-6-8
कर्क - कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रयत्न में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चने व परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-1-5-7
सिंह - मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-1-3-5

कन्या - अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मार्गलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

शुभांक-4-6-8
तुला - अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक- पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-8

धनु - कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से

लाभ। शुभांक-3-5-6
मकर- आलस्यवशास बड़ेगा। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। सतत-स्वी पक्ष से लाभ होगा। शुभांक-3-4-6
कुंभ - खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है।स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आय के योग बनेंगे। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6
मीन- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शारीरिक सुख के लिए व्यसन को त्याग करें। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुक बड़ेगा। परिवार में किसी मार्गलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-6

मालाखेड़ी में नया बिजली सब-स्टेशन तैयार, 7500 उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

ओवरलोडिंग और ट्रिपिंग की समस्या होगी कम चार फीडरों से संचालित होगी बिजली सप्लाई

सात दिन से लापता युवक का शव जंगल में मिला

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। छर्च थाना क्षेत्र के नया गांव से लगे जंगल में रविवार को 22 वर्षीय युवक का शव मिला पुलिस ने शव की पहचान दर्शन कुशवाह के रूप में की है वह 13 सितंबर की सुबह से लापता था शव कई दिनों से पेड़ पर होने के कारण खराब हो चुका था जानकारी के अनुसार दर्शन कुशवाह, 12 सितंबर को अपने भाई के साथ विजयपुर स्थित छिम्छिम्मा हनुमान मंदिर गया था दोनों रात में घर लौटे थे अगले दिन सुबह परिवारों ने देखा तो दर्शन घर पर नहीं था। काफी तलाश के बाद भी जानकारी नहीं मिलने पर परिवारों ने छर्च थाने



व्यवस्थित हो सकेगी बिजली कंपनी के आई राहुल बोवड़े के अनुसार, अब तक मालाखेड़ी फीडर की बिजली आपूर्ति मिलक डेयरी सब-स्टेशन से होती थी इस सब-स्टेशन पर क्षमता की तुलना में लगभग दोगुना दबाव होने के कारण तकनीकी खराबी या फॉल्ट आने पर इससे जुड़े करीब 14 हजार उपभोक्ताओं की

बिजली एक साथ प्रभावित हो जाती थी गर्मियों और पीक ऑवर्स में ओवरलोडिंग की समस्या और गंभीर हो जाती थी मालाखेड़ी क्षेत्र में तेजी से हो रहे विस्तार और नए कनेक्शनों के कारण बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है उपभोक्ताओं की मांग और भविष्य की आवश्यकता को देखते हुए नया सब-स्टेशन



स्थापित किया गया है दोनों क्षेत्रों में सुधरेगी बिजली आपूर्ति नए सब-स्टेशन के शुरू होने के बाद मिलक डेयरी ग्राइड से जुड़े करीब आधे कनेक्शन मालाखेड़ी सब-स्टेशन में शिफ्ट किए जाएंगे इससे दोनों क्षेत्रों में विद्युत भार का संतुलन बेहतर होगा कंपनी के अनुसार ओवरलोडिंग और ट्रिपिंग की समस्या में कमी आने

के साथ लो-वोल्टेज की समस्या से भी राहत मिलने की उम्मीद है आधुनिक तकनीक से लैस नवनिर्मित विद्युत उपकेंद्र में आधुनिक कंट्रोल रूम और एडवांस पैनल सिस्टम लगाया गया है इससे बिजली आपूर्ति की निगरानी और संचालन को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी चार अलग-अलग

फीडरों के माध्यम से आपूर्ति विभाजित होने से किसी एक क्षेत्र में तकनीकी समस्या आने पर उसका प्रभाव सीमित क्षेत्र तक रहने में सुविधा होगी बिजली कंपनी को उम्मीद है कि सब-स्टेशन के संचालन से मालाखेड़ी और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षकों का प्रदर्शन, उपवास के बाद निकाली रैली पांच सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता के विरोध में रविवार को अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले जिलेभर के शिक्षकों ने प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने सामतपुर स्थित शिव मार्सति मंदिर तालाब से पैदल रैली निकालकर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार वेद प्रकाश सिंह को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा प्रदर्शन की शुरुआत दोपहर 12 बजे सामतपुर तिरहा स्थित शिव मार्सति मंदिर तालाब परिसर में उपवास से हुई। इसके बाद शिक्षकों ने धरना



दिया और टीईटी अनिवार्यता के विरोध में नारेबाजी करते हुए पैदल रैली निकाली शिक्षकों ने कहा कि लंबे समय से विद्यालयों में सेवाएं दे रहे शिक्षकों के लिए टीईटी को अनिवार्य किया जाना उनके अनुभव

की तारीख से सेवा अवधि की गणना करते हुए पेंशन, ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण का लाभ देने की मांग की गई ज्ञापन में अव्यावहारिक ई-अटेंडेंस व्यवस्था बंद करने, सितंबर 2022 में हुई हड़ताल की अवधि का लॉबित वेतन भुगतान करने तथा लॉबित क्रमोन्नति एवं समयमान वेतनमान के आदेश जारी करने की मांग भी शामिल है शिक्षा संघ अनूपपुर के जिला अध्यक्ष संजय निगम ने कहा कि शिक्षक लंबे समय से विद्यालयों में सेवाएं देते हुए विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में योगदान दे रहे हैं।

5.60 किलो गांजा लेकर राजेंद्रग्राम जा रहे दो तस्क़र गिरफ्तार

कोयलारी तिराहे पर पुलिस ने की नाकाबंदी, बाइक और गांजा समेत 1.30 लाख रुपए का माल जब्त

मीडिया ऑडीटर,अनूपपुर (निप्र)। गांजा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 5.60 किलो गांजा और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बाइक जब्त की है जब सामान की कुल कीमत करीब 1 लाख 30 हजार 600 रुपए बताई गई है पुलिस के अनुसार आरोपी उड़ीसा से गांजा लेकर राजेंद्रग्राम में बेचने की तैयारी में थे पुलिस



अपीक्षक विक्रान्त मुराब के अनुसार 19-20 सितंबर की रात कोतवाली पुलिस को सूचना मिली थी कि दो युवक काले रंग की बाइक क्रमांक खूब 65. 9670 से बैग में गांजा लेकर अनूपपुर से राजेंद्रग्राम की ओर जा रहे हैं सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने राजेंद्रग्राम-अनूपपुर पहुंचने की जानकारी दी है दोनों मार्ग पर कोयलारी तिराहे के पास नाकाबंदी की कुछ देर बाद संदिग्ध बाइक वहां पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर बाइक सवार दोनों युवकों को पकड़ लिया पूछताछ में आरोपियों की पहचान दिनेश कुमार बंजारा (33), निवासी नौगांव, थाना राजेंद्रग्राम और सुनील उर्फ भमजू यादव (32), निवासी पंचवटी मोहल्ला, थाना बुधुर के रूप में हुई पुलिस ने बाइक पर खड़े हरे रंग के पिडू बैग की तलाशी ली

बैग के अंदर पांच पैकेट में कुल 5.60 किलो गांजा बरामद हुआ पुलिस के अनुसार जब गांजे की कीमत करीब 50 हजार 600 रुपए है जबकि तस्करी में इस्तेमाल बाइक की कीमत करीब 80 हजार रुपए आंकी गई है इस तरह कुल 1 लाख 30 हजार 600 रुपए का सामान जब्त किया गया थाना प्रभारी संजय अशोक एक्का ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने उड़ीसा से गांजा लाकर अनूपपुर पहुंचने की जानकारी दी है दोनों बाइक से रेलवे स्टेशन की ओर से गांजा लेकर राजेंद्रग्राम जा रहे थे पुलिस के मुताबिक वहां गांजा बेचने की तैयारी थी लेकिन रास्ते में ही दोनों को पकड़ लिया गया पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20बी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस अब गांजा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क के संबंध में भी जानकारी जुट रही है।

स्ट्रीट लाइट लगाने पहुंचे कर्मचारी से मारपीट, स्काई लिफ्ट का शीशा तोड़ा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। रन्नीद थाना क्षेत्र के गिल्टीरा में स्ट्रीट लाइट लगाने पहुंचे नगर परिषद के अस्थायी कर्मचारी से मारपीट और सरकारी वाहन में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है आरोपी युवक ने स्ट्रीट लाइट लगाने का विरोध करते हुए कर्मचारी से कथित तौर पर मारपीट की और स्काई लिफ्ट वाहन का सामने का शीशा डंडे से तोड़ दिया पुलिस के अनुसार वाहन को करीब 15 हजार रुपए का नुकसान हुआ है लक्ष्मीगंज निवासी 42 वर्षीय नीरज जोशी नगर परिषद रन्नीद में अस्थायी

इलेक्ट्रिशियन हैं रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे वे वार्ड क्रमांक-1 के गिल्टीरा में स्ट्रीट लाइट बदलने पहुंचे थे इसी दौरान दिक्कपाल जाट ने लाइट लगाने का विरोध किया विवाद बढ़ने पर आरोपी ने कथित तौर पर नीरज के साथ मारपीट की और वाहन का शीशा तोड़ दिया घटना के समय चालक सलमान खान और उमेश उपाध्याय भी मौके पर मौजूद थे उन्होंने बीच-बचाव का प्रयास किया नीरज की शिकायत पर रन्नीद पुलिस ने दिक्कपाल जाट के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सामने आई बदलाव की कहानी

आयुष्मान योजना बनी संजीवनी, ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी में मिली करीब 3 लाख रुपये की मदद



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए गंभीर बीमारियों के उपचार में आर्थिक सहाय बन रही है। जिले के निवासी दिनेश प्रसाद द्विवेदी को भी इस योजना का लाभ मिला, जिसके माध्यम से उन्हें ब्रेन ट्यूमर जैसी गंभीर बीमारी के उपचार में बड़ी आर्थिक राहत मिली दिनेश प्रसाद द्विवेदी बताते हैं कि करीब दो वर्ष पहले उन्हें ब्रेन ट्यूमर की बीमारी का पता चला था। बीमारी के उपचार के

लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी इलाज के दौरान उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों की सलाह के अनुसार उनकी ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी की गई। उपचार में लगभग 3 लाख रुपये का खर्च आया, जिसका भुगतान आयुष्मान कार्ड के माध्यम से योजना के अंतर्गत हुआ। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से यह इलाज उनके लिए बड़ी चिंता का विषय बन सकता था लेकिन आयुष्मान कार्ड होने के कारण उन्हें उपचार के खर्च को लेकर परेशान नहीं होना पड़ा निजी अस्पताल में उनका इलाज हुआ और उपचार के दौरान उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। योजना के माध्यम से उन्हें समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हुई। दिनेश प्रसाद द्विवेदी का कहना है

कि गंभीर बीमारी के समय आयुष्मान योजना उनके और उनके परिवार के लिए बड़ी मदद साबित हुई। और उनके अपने स्वास्थ्य को लेकर खुश हैं और योजना के लाभ के लिए आधार व्यक्ति करते हैं सेवा संकल्प अभियान के तहत जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के जीवन में आए बदलाव और उनके अनुभवों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है आप सभी भी आयुष्मान भारत योजना से जुड़कर इसका लाभ उठाएं, ताकि देश के किसी भी नागरिक को स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े और जरूरत के समय बेहतर उपचार की सुविधा मिल सके इसी क्रम में दिनेश प्रसाद द्विवेदी की कहानी भी यह बताती है कि गंभीर बीमारी के समय

आयुष्मान भारत योजना किस तरह उपचार के खर्च में आर्थिक सहाय बन सकती है उनका अनुभव अभियान के माध्यम से सामने लाई जा रही लाभार्थियों की सफलता और बदलाव की कहानियों का हिस्सा है सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है उन्होंने कहा कि मेरा इलाज निजी अस्पताल में हुआ और मुझे किसी भी तरह की परेशानी नहीं हुई आयुष्मान कार्ड के माध्यम से मेरे इलाज का खर्च पूरा होने से मुझे बहुत बड़ी मदद मिली मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी को आयुष्मान योजना के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूं आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को निश्चित अस्पतालों में उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

सेवा संकल्प अभियान में ‘मेरे सपनों का भारत’ की सजी जीवंत तस्वीर

एमसीबी के 778 विद्यालयों में 65,440 विद्यार्थियों सहित 79,200 लोगों ने लिया हिस्सा, चित्रों और भाषणों में दिखी विकसित भारत की परिकल्पना

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दो दिनों तक विकासखंड स्तर पर आयोजित ‘मेरे सपनों का भारत’ विषयक चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं ने जिले के विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाओं, विचारों और आकांक्षाओं को रचनात्मक अभिव्यक्ति देने का अवसर प्रदान किया राों से सजे चित्रों और आत्मविश्वास से व्यक्त किए गए विचारों में विद्यार्थियों ने उस भारत की तस्वीर प्रस्तुत की, जिसे वे भविष्य में देखना चाहते हैं एक ऐसा भारत जो शिक्षित, आत्मनिर्भर, समृद्ध, स्वच्छ, तकनीकी रूप से सक्षम, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और सामाजिक रूप से समरस हो जिले में इन प्रतियोगिताओं को लेकर विद्यार्थियों में उल्लेखनीय उत्साह देखने को



मिला चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में जिले के 778 विद्यालयों के 65,440 विद्यार्थियों 12,300 पालकों और 1,460 जनप्रतिनिधियों सहित कुल 79,200 लोगों ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने ‘मेरे सपनों का भारत’ की अपनी परिकल्पना को चित्रों और शब्दों के

माध्यम से सामने रखा। व्यापक सहभागिता यह दर्शाती है कि विद्यार्थियों में राष्ट्र, समाज और अपने आसपास के परिवेश को लेकर संवेदनशील सोच विकसित हो रही है चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कगज पर केवल रंग और आकृतियां नहीं उकेरीं, बल्कि अपने



सपनों के भारत का जीवंत स्वरूप प्रस्तुत किया। किसी चित्र में आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिखाई दी, तो किसी में हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण का संदेश उभरा। अनेक विद्यार्थियों की कल्पना में गांवों का विकास, आधुनिक कृषि, डिजिटल तकनीक, महिला

सशक्तिकरण, रोजगार के अवसर, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और आत्मनिर्भर भारत प्रमुखता से दिखाई दिए। इन चित्रों में विकास के साथ प्रकृति संरक्षण और मानवीय संवेदनाओं के प्रति प्रतिबद्धता भी नजर आई भाषण प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को अपने विचारों को

तात्किक और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का मंच दिया। विद्यार्थियों ने राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की भूमिका, युवाओं की जिम्मेदारी, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं तकनीक, कृषि विकास, सामाजिक समरसता तथा नागरिक कर्तव्यों जैसे विषयों पर अपने विचार रखे उनके वक्तव्यों में यह विश्वास दिखाई दिया कि देश का भविष्य केवल योजनाओं और व्यवस्थाओं से नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी और सक्रिय सहभागिता से भी निर्मित होता है मेरे सपनों का भारत विषय ने प्रतियोगिता को केवल रचनात्मक गतिविधि तक सीमित नहीं रखा बल्कि विद्यार्थियों को यह सोचने के लिए प्रेरित किया कि वे अपने देश के भविष्य को किस रूप में देखना चाहते हैं।

चोरी-नकबजनी पर पुलिस का शिकंजा, एक सप्ताह में 2.48 करोड़ की संपत्ति जब्त

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने चोरी और नकबजनी की वारदातों के खिलाफ अभियान चलाते हुए पिछले एक सप्ताह में विभिन्न जिलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर 2 करोड़ 48 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर् तंत्र की मदद से कई मामलों का खुलासा किया मुर्ना में सिविल लाइन और बागचौनी पुलिस की कार्रवाई में आरोपियों से नकदी, हथियार, वाहन और चोरी का सामान सहित करीब 65 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की गई। धार में पुलिस ने तमिलनाडु पुलिस के साथ कार्रवाई करते हुए 55 लाख रुपए कीमत का 385 ग्राम सोना बरामद किया। ग्वालियर पुलिस ने चार नकबजनों को गिरफ्तार कर करीब 45 लाख रुपए की चोरी की संपत्ति बरामद की इंंदौर के राऊ में ब्रेटा कार से 27 लाख रुपए की

चोरी का खुलासा कर आरोपी नौकर से 24.50 लाख रुपए बरामद किए गए। छतरपुर में अंतरराज्यीय चोर से आभूषण और कार सहित करीब 24 लाख रुपए की संपत्ति जब्त हुई। राजगढ़ में चोरी की तबिक की केवल और वाहन सहित करीब 10.50 लाख रुपए का माल बरामद किया गया जोआरपी उज्जैन ने महिलाओं के सोने के कंगन चोरी करने वाली गैंग के चार सदस्यों से करीब 9.50 लाख रुपए के छह कंगन बरामद किए विदिशा में अंतरराज्यीय महिला चोर से करीब 5 लाख रुपए के आभूषण मिले इसके अलावा उज्जैन, खंडवा, छिंदवाड़ा, देवास और सागर में भी चोरी के मामलों में कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर संपत्ति बरामद की गई पुलिस के अनुसार तकनीकी साक्ष्यों और बेहतर समन्वय से चोरी की वारदातों का खुलासा कर संपत्ति बरामद करने की कार्रवाई लगातार जारी है।

संक्षिप्त समाचार

कुशीनगर एक्सप्रेस के इंजन से उठा धुआं इटारसी में 10 मिनट से आउटर पर खड़ी थी



मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। गोरखपुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनस जा रही कुशीनगर एक्सप्रेस के इंजन से अचानक धुआं उठने से रेलवे में हड़कंप मच गया। इटारसी स्टेशन से रवाना होने के बाद ट्रेन को नाला मोहल्ला आउटर पर रोक दिया गया। घटना दोपहर करीब 12 बजकर 32 मिनट पर हुई। कुशीनगर एक्सप्रेस 1:45 पर इटारसी स्टेशन से रवाना हुई। ट्रेन को आउटर पर ही रोक़ा शुरुआती जानकारी के अनुसार, इंजन के अंदर एक कनेक्टर में तकनीकी खराबी आने के कारण धुआं उठने लगा था। स्थिति को देखते हुए लोको पायलट ने सावधानी बरतते हुए ट्रेन को आउटर पर ही रोक दिया। ट्रेन के आउटर पर रुकने के बाद रेलवे के तकनीकी कर्मचारी इंजन की जांच कर रहे हैं। फिलहाल, खराबी को दूर करने की कोशिश जारी है। घटना के कारण ट्रेन के चलने पर कुछ समय के लिए असर पड़ा है। ट्रेन करीब 10 मिनट से मेन लाइन पर रुकी है यात्री भी तकनीकी टीम की जांच और ट्रेन के दोबारा रवाना होने का इंतजार कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंच गए हैं। गोरखपुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनस जा रही कुशीनगर एक्सप्रेस के इंजन में तकनीकी खराबी आ गई। ट्रेन को पहले सिग्नल तक ले जाया गया, फिर वापस इटारसी स्टेशन के प्लेटफार्म पर खड़ा किया गया। इंजन खराब होने से रेल परिचालन प्रभावित रेलवे अधिकारियों के अनुसार खराब इंजन हटाकर दूसरा इंजन लगाया जा रहा है। इंजन बदलने के बाद ट्रेन को रवाना किया जाएगा। फिलहाल ट्रेन करीब 15 से 20 मिनट से प्लेटफार्म पर खड़ी है। कुशीनगर एक्सप्रेस में खराबी के कारण इटारसी स्टेशन का रेल परिचालन भी प्रभावित हुआ। जयपुर सिटी एक्सप्रेस प्लेटफार्म नंबर-3 पर करीब एक घंटे तक खड़ी रही। रेलवे के अनुसार दूसरा इंजन लगाने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इसके बाद कुशीनगर एक्सप्रेस को रवाना किया जाएगा।

सीहोर में देलावाड़ी घाट पर ट्रक खाई में पलटा खाद्य तेल से भरा वाहन, चालक की मौके पर मौत



मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। पहले वाली खबर में मृतक की पहचान और वाहन चालक से जुड़ा अपडेट जोड़कर संशोधित खबर: सीहोर: देलावाड़ी घाट पर खाद्य तेल से भरा टैंकर खाई में पलटा, ड्राइवर की मौत; मृतक की पहचान हुई सीहोर के देलावाड़ी घाट पर इछावर से भोपाल जा रहा खाद्य तेल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में पलट गया। हादसे में टैंकर चालक की मौत हो गई। टैंकर पलटने के बाद चालक उसमें फंस गया था। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 सन्नद्ध-18 और रेहटी थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। एएसआई ताविश खान और पायलट कपिल रघुवंशी ने स्थानीय लोगों की मदद से टैंकर में फंसे चालक को बाहर निकाला। इसके बाद उसे डायल-112 वाहन से रेहटी के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान आनंद के रूप में हुई एसडीओपी रवि शर्मा के अनुसार, मृतक की पहचान आनंद पिता कृपाल सिंह (25), निवासी भाऊखेड़ी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आनंद इसी खाद्य तेल से भरे टैंकर का चालक था। पुलिस ने शुरू की जांच हादसे में टैंकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसा किस वजह से हुआ, इसकी जांच की जा रही है। डायल-112 टीम की लोगों ने की तारीफ हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 FRV-18 और रेहटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एएसआई ताविश खान और पायलट कपिल रघुवंशी ने स्थानीय लोगों की मदद से टैंकर में फंसे चालक को बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने टीम की तत्परता की सराहना की।

रतलाम में 23 इंच गिरा पानी, पिछले साल से आधा धोलावाड़ डेम पूरा भरने 5 इंच बारिश की जरूरत

मानसूनी सीजन का आखरी दौर

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में बारिश का सिस्टम बना हुआ है। शनिवार सुबह कुछ देर तक रिमझिम बारिश हुई। बादलों की ओट में सूरज की लुकाछिपी जारी रही। अब तक जिले में 23 इंच बारिश हो चुकी है, जो पिछले साल की तुलना में 24.43 इंच कम है। गत वर्ष इस समय तक 47.43 इंच बारिश हो चुकी थी। धोलावाड़ डेम को पूरा भरने के लिए भी एक साथ करीब 5 इंच मूसलाधार बारिश की जरूरत है। पिछले 24 घंटे में शनिवार सुबह 8 बजे तक रतलाम जिले में 15.50 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसमें सबसे ज्यादा ताल में 26 मिमी बारिश हुई। इसके बाद आलोट में 19, पिपलौदा में 16, रतलाम शहर में 14, जावरा में 13, सैलाना में 13 और रावटी में 12 मिमी बारिश दर्ज की गई। अब तक हुई बारिश से जिले की नदियों और कुओं में पानी आ गया है, लेकिन जलस्रोतों में अभी अपेक्षित स्तर तक पानी नहीं पहुंचा है।

मानसूनी सीजन समाप्त होने में अब 11 दिन शेष: मौसम विभाग के अनुसार मानसूनी सीजन समाप्त होने में अब 11 दिन शेष हैं। आखिरी सप्ताह में कुछ जिलों में भारी बारिश



होने की संभावना है। ऐसे में प्रदेश में बारिश का कोटा पूरा होने की उम्मीद है। हालांकि, उज्जैन संभाग के जिलों में सामान्य बारिश का आंकड़ा कम रहने की संभावना है। रतलाम में अब तक सामान्य बारिश का करीब 80 प्रतिशत ही पानी बरसा है। अगले तीन से चार दिन में अगर भारी बारिश होती है तो जिले में सामान्य बारिश के आंकड़े तक पहुंचा जा

सकता है।
अगले 4 दिन हल्की बारिश का अनुमान: मौसम विभाग ने अगले चार दिन यानी 22 सितंबर तक प्रदेश में हल्की बारिश होने का अनुमान जताया है। मौसम विशेषज्ञ शैलेंद्र कुमार नायक ने बताया कि इस समय पश्चिमी हिस्से में एक चक्रवाती परिसंचरण तंत्र सक्रिय है। इसके प्रभाव से पश्चिमी हिस्से

के जिलों में बारिश का दौर बना हुआ है। 19 सितंबर की शाम के आसपास उत्तर अंडमान सागर में नया निम्न दबाव क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके बाद इसके दक्षिण ओडिशा और उत्तर आंध्र प्रदेश तट की ओर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने के संकेत हैं। इस सिस्टम के प्रभाव से मध्यप्रदेश के मौसम में एक बार फिर बदलाव होने की संभावना है।

1 जून से लेकर अब तक बारिश पर एक नजर (आंकड़े इंच में है)			
विकासखंड	1 जून से लेकर अब तक	पिछले साल	
आलोट	30.23	30.82	
जावरा	25.23	49.88	
ताल	20	22.75	
पिपलौदा	24.80	53.89	
बाजना	16.14	38.07	
रतलाम सिटी	27.87	49.84	
रावटी	17.01	61.92	
सैलाना	21.81	72.24	
औसत	23.00	47.43	

सड़क के गड्ढों में पौधे लगाकर ग्रामीणों का अनोखा प्रदर्शन

सीहोर में बारिश में मिट्टी बहने से फिट गहराए गड्ढे, पंचायत पर लापरवाही का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर के ब्रिजशानगर क्षेत्र में सड़कों की खराब हालत और गड्ढों से परेशान ग्रामीणों और युवाओं ने रविवार को अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने मुख्य मार्ग पर पानी से भरे बड़े गड्ढों में पौधे रोपकर शासन-प्रशासन और ग्राम पंचायत का ध्यान खींचा। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले पंचायत ने इन सड़कों के गड्ढों में गिट्टी और मुरुम खलकर मरम्मत कराई थी। लेकिन कुछ ही समय बाद सड़क फिर से खराब हो गई और बड़े गड्ढों में बदल गई। सड़क पर बने इन गड्ढों में पानी भरने से रोज हादसे हो रहे हैं। इससे आने-जाने वाले राहगीरों और वाहन चालकों को काफी दिक्कतें हो रही हैं।

सड़क की ठीक से मरम्मत कराने की मांग: ग्रामीणों ने मांग की कि ग्राम पंचायत और संबंधित प्रशासन तुरंत इस ओर ध्यान दें। वे चाहते हैं कि इन गड्ढों में मुरुम और गिट्टी डालकर सड़क की ठीक से मरम्मत की जाए, ताकि हादसों को रोका जा सके।



ग्रामीण बोले- समस्या सुनने वाला कोई नहीं

ग्राम पंचायत ने इन गड्ढों में मिट्टी भरकर समस्या को छिपाने की कोशिश की थी। लेकिन बारिश ने मिट्टी बहा दी और सड़क की असलियत फिर सामने आ गई। अब ये बड़े गड्ढे राहगीरों और वाहन ड्राइवरों के लिए परेशानी और हादसों का कारण बन रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी समस्या सुनने वाला कोई नहीं है। ग्राम पंचायत के पास न तो पर्याप्त बजट है और न ही समय। इसी नाराजगी के चलते आज ग्रामीणों ने विरोध का यह अनोखा तरीका अपनाया और गड्ढों में पौधारोपण कर दिया।

कच्ची शराब से परेशान महिलाओं का पुलिस चौकी घेराव

खरगोन में खंडवा-बड़ौदा हाइवे पर एक घंटे हंगामा, कार्रवाई के भरोसे पर प्रदर्शन खत्म



मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले के बमनाला में कच्ची शराब की बिक्री से परेशान 200 से ज्यादा महिलाओं ने शनिवार रात विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने खंडवा-बड़ौदा हाइवे पर स्थित पुलिस चौकी का घेराव किया और करीब एक घंटे तक सड़क पर हंगामा किया। महिलाओं ने अवैध कच्ची दारू की बिक्री का जोरदार विरोध किया। सूचना मिलने पर भीकनगांव थाना प्रभारी बलराम राठौड़ और चौकी प्रभारी राजेंद्र अवारस्या मौके पर पहुंचे। पुलिस अफसरों ने महिलाओं को अवैध शराब बेचने वालों

पर कार्रवाई का भरोसा दिया। इस भरोसे के बाद महिलाएं शांत हुईं और प्रदर्शन खत्म किया। गुस्साई महिलाओं का कहना था कि गांव में लंबे समय से अवैध कच्ची शराब बेची जा रही है। इसे नाले और खेतों में छिपाकर रखा जाता है। इसकी वजह से घरों में झगड़े और अशांति फैल रही है। महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि लगातार शिकायतों के बाद भी पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

मजदूरों से भरी ट्रॉली में ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर 6 साल की बच्ची समेत 2 की मौत

युवती के दोनों पैर कटे; काम खत्म कर लौट रहे थे 19 मजदूर

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर के दलोदा थाना क्षेत्र में लखमा खेड़ी फंटे के पास शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 12:15 बजे मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में ट्रॉली सवार 6 साल की बच्ची और 45 साल की महिला की मौके पर ही मौत हो गई। कई मजदूर घायल हुए हैं। इनमें 18 साल की युवती के दोनों पैर नीचे से कट गए, जबकि तीन अन्य गंभीर घायलों को रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम किया है और ट्रक व चालक की तलाश शुरू कर दी है।

रेलवे का काम खत्म कर उज्जैन जा रहे थे मजदूर: घायल मजदूरों के मुताबिक, वे रतलाम जिले के रावटी और आसपास के गांवों के रहने वाले हैं। सभी मंदसौर में रेलवे के काम में मजदूरी कर रहे थे। शनिवार रात करीब 11:30 बजे काम खत्म करने के बाद मजदूर ट्रैक्टर-ट्रॉली से उज्जैन के लिए निकले थे। लखमा खेड़ी फंटे के पास पीछे से आए ट्रक ने ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से ट्रॉली पलट गई



और उसमें बैठे मजदूर सड़क पर जा गिरे। उनका सामान भी सड़क पर बिखर गया। अपर कलेक्टर एकता जायसवाल ने बताया कि सूचना रात करीब 12:30 बजे मिली थी। मौके पर पहुंचने के बाद पता चला कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में रेलवे के मजदूर उज्जैन जा रहे थे। उनके अनुसार ट्रॉली में करीब 20 लोग सवार थे।

18 साल की युवती के दोनों पैर कटे: हादसे में कल्पना पिता विनोद भील (18),

निवासी रानीसिंह, गंभीर रूप से घायल हुई हैं। उनके दोनों पैर नीचे से कट गए।

उन्हें रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। इसके अलावा 4 साल के बच्चे और 8 साल के बच्चे के पैरों में फ्रैक्चर हुआ है। दोनों को भी रतलाम मेडिकल कॉलेज भेजा गया। जिला अस्पताल में भर्ती चंचल पिता संजय भील (18) के पैर में फ्रैक्चर के साथ सिर, चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट

आई है। नीरू पिता तेर सिंह भील (14) की कमर में फ्रैक्चर है। शंकर पिता गलिया (5), गोपाल (18), मनीष (19), पूजा भील (26), सविता पति राहुल भील (10), करण (7) और पप्पूडी (30) (20) और सोनू पति अब्दू लाल भील (28) का भी जिला अस्पताल में इलाज

चल रहा है। अन्य घायलों में राहुल (23), सुरपाल (15), लीला (26), आशा (5), गोपाल (18), मनीष (19), पूजा भील (26), सविता पति राहुल भील (10), करण (7) और पप्पूडी (30) शामिल हैं। प्राथमिक उपचार के बाद इन्हें अस्पताल से छुड़ी दे दी गई।

दो मजदूरों की मौत

मृतकों की पहचान रतलाम जिले के रावटी थाना क्षेत्र के ग्राम लासिया निवासी बसंती पति पेरू भील (45) और ग्राम मोदूका निवासी 6 वर्षीय बच्ची के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कराया है। हादसे में शवों को गंभीर चोट आई थी। रात 2 बजे अस्पताल पहुंची अपर कलेक्टर हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया। अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, एसडीएम, तहसीलदार और दलोदा थाना प्रभारी समेत अधिकारी मौके पर पहुंचे। अपर कलेक्टर रात करीब 2 बजे जिला अस्पताल पहुंची और घायलों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। उन्होंने गंभीर घायलों के इलाज को लेकर डॉक्टरों से चर्चा की। प्रशासन ने घायलों को जरूरी उपचार उपलब्ध कराने की बात कही है। दलोदा थाना प्रभारी रविंद्र प्रताप डांगी ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ट्रक और चालक की तलाश कर रही है। दो लोगों की मौत के मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

मजदूर बोले- काम खत्म कर उज्जैन जा रहे थे

घायल राहुल ने बताया कि वे सभी मंदसौर में रेलवे के काम के लिए मजदूरी करने आए थे। शनिवार रात काम खत्म करने के बाद उज्जैन जा रहे थे। दलोदा के पास पीछे से आए ट्रक ने ट्रॉली को टक्कर मार दी। हादसे में उनकी पत्नी समेत कई लोग घायल हो गए। घायल चंचल और सोनू ने भी बताया कि वे रतलाम जिले के रावटी क्षेत्र के रहने वाले हैं। कुछ मजदूर करीब एक साल से मंदसौर में काम कर रहे थे, जबकि कुछ 4-5 महीने और कुछ करीब एक महीने पहले यहां आए थे। मजदूरों के अनुसार, अधिकांश लोग आपस में रिश्तेदार हैं।

धोलावाड़ डेम भी खाली

रतलाम शहर में पेयजल का मुख्य स्रोत धोलावाड़ डेम है। डेम का जलस्तर अभी अधिकतम जलस्तर से करीब 5.30 मीटर नीचे है। अब तक धोलावाड़ डेम में 366 मिमी बारिश के बाद 23.05 मिलियन वयुबिक मीटर (एमसीएम) पानी जमा हो पाया है, जबकि इस समय तक 49.95 मिलियन वयुबिक मीटर पानी का स्टोरेज होना चाहिए। डेम में मौजूद 23.05 एमसीएम पानी में से 18 एमसीएम पेयजल के लिए रिजर्व रहेगा, जबकि 5 एमसीएम पानी सिंचाई के लिए रखना होगा। ऐसे में अगर आगे पर्याप्त बारिश नहीं होती है तो पेयजल और सिंचाई के लिए परेशानी हो सकती है। पीएचई के एसडीओ आरएस मीणा ने बताया कि डेम का अधिकतम जलस्तर 395 मीटर है। शनिवार सुबह तक जलस्तर 389.70 मीटर पहुंचा है। इस बार डेम में पानी 50 प्रतिशत के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाया है। अधिकतम जलस्तर तक पहुंचने और डेम को पूरा भरने के लिए अभी करीब 5 इंच मूसलाधार बारिश की जरूरत है।

बारिश से बचने ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे बैठी महिला की मौत

बेटी का आरोप- युवक ने ट्रैक्टर चलाया, रेफर करने के पहले ही दम तोड़ा

छतरपुरमीडिया ऑडीटर, (निप्र)। छतरपुर जिले के ग्राम कदारी में बारिश से बचने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे बैठी 65 वर्षीय रामबाई प्रजापति की ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे में गंभीर घायल रामबाई को जिला अस्पताल लाया गया था। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें ग्वालियर रेफर किया, लेकिन रेफर किए जाने से पहले ही जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसा दोपहर करीब 1 बजे हुआ। बताया गया कि उड़द से लदा ट्रैक्टर खेत में ढलान वाली जगह पर खड़ा था। इसी दौरान ट्रैक्टर अचानक पीछे की ओर खिसक गया और उसका पहिया रामबाई के पेट पर चढ़ गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। परिजन उन्हें पहले निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया था।

बेटी ने ट्रैक्टर चलाने का लगाया आरोप: रामबाई की बेटी लादकुंवर प्रजापति ने आरोप लगाया कि उनकी मां खेत पर जा रही थीं। बारिश शुरू होने पर वह ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे बैठ गई थीं। इसी दौरान प्रवेश दीक्षित के बेटे ने ट्रैक्टर चला दिया, जिससे



उसकी मां के ऊपर पहिया चढ़ गया। लादकुंवर का आरोप है कि घटना के बाद आरोपी पक्ष उन्हें धमका रहा है और रिपोर्ट दर्ज नहीं करने दे रहा है। प्रत्यक्षदर्शी फूला प्रजापति और परिजन खेमचंद्र प्रजापति ने भी घटना के संबंध में जानकारी दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगा रही है कि ट्रैक्टर ढलान पर खड़े होने के कारण पीछे खिसका था या किसी ने उसे चलाया था।

भत्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ हुई ‘एशियन गेम्स 2026’ की शुरुआत

नागोया ,एजेसी। नागोया के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में शनिवार को 20वें एशियन गेम्स का भव्य उद्घाटन हुआ। इस खास मौके पर पूरे एशिया के खिलाड़ी एक साथ जुटे और महाद्वीप के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक की आधिकारिक शुरुआत हुई। ओपनिंग सेरेमनी के दौरान स्टेडियम रंग-बिरंगी रोशनी और शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जगमगा उठा। संगीत और उत्साह के माहौल में कुछ समय के लिए मेडल और मुकाबलों की चर्चा पीछे छूट गई, जबकि खिलाड़ियों और दर्शकों ने इस ऐतिहासिक पल का भरपूर आनंद लिया। जापान के सम्राट नारहितो ने आइची-नागोया में महाद्वीपीय खेल आयोजन के 20वें संस्करण की शुरुआत की घोषणा की। इसके साथ ही उस कार्यक्रम का औपचारिक आगाज हुआ जिसमें आगले दो हफ्तों में हजारों एथलीट हिस्सा लेंगे। भारत के लिए इस शाम का अपना ही सं था। स्टेडियम में भारतीय दल की अगुवाई दो बिल्कुल अलग खेल जगत के एथलीट्स ने की – ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और कबड्डी स्टार पवन सहरावत। हाथ में ऊंचा तिरंगा लिए, यह जोड़ी उस दल का चेहरा बनी जो उम्मीदों और हांगजों में एशियन गेम्स 2023 में भारत के रिकॉर्डेटोड़ अभियान की यादों को साथ लेकर चल रहा था।

भाकर की मौजूदगी ने इस मौके को ओलंपिक वाली चमक दी, जबकि सहरावत ने भारत के सबसे सफल देसी खेलों में से एक का प्रतिनिधित्व किया। उनके पास पिछले एशियन गेम्स में भारत के स्वर्ण पदक जीतने वाले कबड्डी अभियान का हिस्सा रहने का अनुभव भी था। हालांकि, शुरुआत में सहरावत का भाकर के साथ बतौर परलेग बियरर होना तय नहीं था। शॉट पुटर तेजिंदरपाल सिंह तूर को भारत का पुरुष ध्वजवाहक चुना गया था, लेकिन एक तकनीकी समस्या के कारण वे समारोह में शामिल नहीं हो सके। आखिरी समय में हुए इस बदलाव ने सहरावत को सुखियों में ला दिया और बड़ी सावधानी से तैयार की गई शाम में एक अप्रत्याशित मोड़ जोड़ दिया। मगर जैसे ही भारतीय दल स्टेडियम में दाखिल हुआ, यह बदलाव गौण हो गया। तिरंगा पूरे मैदान में आगे बढ़ा। एथलीट्स ने भीड़ का अभिवादन किया और कैमरों ने उस पल को कैद किया जो नागोया खेलों की शुरुआती यादों में शुमार रहेगा। यह समारोह प्रतियोगिता से ज्यादा जापान की कहानी बताने पर केंद्रित था। पारंपरिक जापानी तत्वों का आधुनिक प्रदर्शनों, तकनीक और संगीत के साथ मेल हुआ, जिससे एक ऐसा उत्सव तैयार हुआ जिसने देश की

समुद्ध विरासत को उसकी आधुनिक पहचान से जोड़ने का प्रयास किया। जापान के सम्राट और साम्राज्ञी की मौजूदगी ने इस मौके की अहमियत और बढ़ दी। स्टेडियम के बाहर नागोया शहर ने एशिया भर से आने वाले खिलाड़ियों, अधिकारियों और खेल प्रेमियों के स्वागत के लिए कई दिनों तक तैयारियां की थीं। वहीं, स्टेडियम के अंदर माहौल पूरी तरह उत्सव में बदल गया, जहां रंग-बिरंगी रोशनी, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने ओपनिंग सेरेमनी को यादगार बना दिया। हालांकि, एथलीट्स के लिए असली सफर तो बस शुरू ही हो रहा था। ओपनिंग सेरेमनी ने उन्हें रुकने, एक साथ खड़े होने और एक समुदाय के तौर पर गेम्स का अनुभव करने का एक खास मौका दिया। जल्द ही वह लक्ष्यों, टाइमिंग, रणनीति, प्वाइंट्स और मेडल की जानी-पहचानी दुनिया में लौट जाएंगे। भारत नागोया जश्न पहुंचा है, लेकिन हांगझों की यादें अभी भी ताजा थीं। एशियन गेम्स 2023 में भारत ने ऐतिहासिक रूप से 107 मेडल जीते, जिनमें 28 गोल्ड मेडल शामिल थे। उस प्रदर्शन ने मानक और उम्मीदें, दोनों बढ़ा दी हैं।

मनु-पवन ने शान से लहराया ‘तिरंगा’



महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम ने जीता सिल्वर राष्ट्रपति मुर्मु समेत कई नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में सिल्वर मेडल मिलने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु समेत कई नेताओं ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आधिकारिक ‘एक्स’ हैंडल पर लिखा गया, ‘एशियाई खेल 2026 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर एलावेनिल वलारिवन, विदर्शा के विनोद और सोनम उत्तम मस्कर को बहुत-बहुत बधाई। आपकी इस शानदार उपलब्धि ने इन खेलों में भारत के लिए मेडल का खाता खोला है और देश का मान बढ़ाया है। आपकी निरंतर सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं।’ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ‘एक्स’ पोस्ट में लिखा, ‘भारत ने एशियाई खेलों में सिल्वर मेडल जीतकर अपने मेडल का खाता खोला। शूटिंग 10 मीटर राइफल महिला (टीम) इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर इलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और विदर्शा के विनोद को बधाई। भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं।’ केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया की ओर से सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा गया, ‘एशियन गेम्स 2026 में भारत का पहला मेडल! महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर इलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदर्शा के विनोद को बहुत-बहुत बधाई। टीम इंडिया

के मेडल अभियान की शानदार शुरुआत। हमारे चैंपियंस और पूरी टीम को भविष्य में और भी शानदार सफलताएं मिलने की शुभकामनाएं!’ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, ‘एशियन गेम्स 2026 में भारत के मेडल का खाता महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में दो सिल्वर मेडल के साथ खुला है! सोनम

उत्तम मस्कर और विदर्शा के विनोद के साथ टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने के बाद, व्यक्तिगत इवेंट में भी सिल्वर मेडल जीतने पर एलावेनिल वलारिवन को बहुत-बहुत बधाई। इस शानदार उपलब्धि ने देश का मान बढ़ाया है और टीम इंडिया को गेम्स में एक मजबूत शुरुआत दिलाई है। आगे और भी शानदार उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं।’

भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने इंडोनेशिया को 3-0 से हराया

आइची-नागोया ,एजेसी। एशियाई खेल 2026 में भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने अपने शुरुआती मुकाबले में इंडोनेशिया को 3-0 से हरा दिया। भारतीय पुरुष टीम ने ग्रुप स्तर पर इंडोनेशिया के खिलाफ अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की। अनुभवी खिलाड़ी सांथ्यान ज्ञानसेकरन ने मुकाबले की पहली जीत दर्ज करते हुए भारत को 1-0 से शुरुआती बढ़त दिलाई। सांथ्यान ने विरोधी खिलाड़ी पर हावी रहते हुए टीम को आत्मविश्वास से भर दिया। इसके बाद कोर्ट पर दूसरे एकल मुकाबले में मानव ठक्कर ने इंडोनेशिया के मुहम्मद जुनिंद्रा को हराकर भारतीय टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। मानव ठक्कर और मुहम्मद जुनिंद्रा के बीच मुकाबला पाँच गेम तक चला, जिसमें भारतीय पैडलर ने अपने अनुभव और कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। मानव ने 11-7, 8-11, 11-6, 6-11, 11-9 के स्कोर के साथ निर्णायक गेम में दबाव के बीच बेहतरीन खेल दिखाते हुए जीत हासिल की। इस रोमांचक और कठिन जीत के साथ भारत ने मुकाबले में 2-0 की मजबूत बढ़त बना ली, जिससे टीम की जीत की राह आसान हो गई और विपक्षी टीम पर दबाव बढ़ गया। वहीं तीसरे मुकाबले में मनुष शाह ने इंडोनेशिया के अफफान प्रतामा को सीधे गेमों में 11-9, 11-9, 12-10 से हराकर भारत को 3-0 की अजेय बढ़त दिला दी।

भारत ए के खिलाफ सीरीज को ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम में जगह बनाने के मौके के तौर पर देख रहे हैं ब्रेंडन डॉगेट

चेन्नई,एजेसी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज ब्रेंडन डॉगेट का लक्ष्य आगले साल भारत में होने वाली पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना है। डॉगेट भारत ए के सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम का हिस्सा हैं और इस दौरे का इस्तेमाल राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए करना चाहते हैं। ब्रेंडन डॉगेट फरवरी में हुई हेमस्ट्रिंग इंजरी के बाद क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए पिछले होम सीजन में दो टेस्ट मैच खेल चुके हैं। चेन्नई में बिग बैश लीग (बीबीएल) के एक इवेंट में डॉगेट ने कहा, ‘उम्मीद है, मैं बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज का हिस्सा बन पाऊंगा। मुझे लगता है कि एक ऑस्ट्रेलियाई के तौर पर यह बड़ी सीरीज में से एक है। इंडिया में टेस्ट क्रिकेट देखते हुए बड़ा हुआ हूं। यह सच में बहुत मेहनत और ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में मिलने वाली चुनौतियों से अलग लगता है। उम्मीद है कि मैं उस टीम का हिस्सा बन पाऊंगा और उस सीरीज में भूमिका निभा पाऊंगा।’ अपनी फिटनेस पर डॉगेट ने कहा, ‘शरीर अभी तक ठीक चल रहा है। मैं गेंदबाजी कर रहा हूं और इंडिया ए के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने और उम्मीद है कि कुछ टेस्ट क्रिकेट खेलने का इंतजार कर रहा हूं।’

अदाणी अहमदाबाद मैराथन के 10वें संस्करण की आधिकारिक जर्सी लॉन्च

अहमदाबाद,एजेसी। फिटनेस के शौकीनों और अहमदाबाद की रनिंग कम्युनिटी के सदस्यों के सामने अदाणी अहमदाबाद मैराथन के खास 10वें एडिशन की ऑफिशियल जर्सी लॉन्च की गई। अदाणी अहमदाबाद मैराथन 2022 से ‘एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस’ (एआईएमएएस) की ग्लोबल मैराथन इवेंट लिस्ट का हिस्सा रही है। इस दौड़ के रूट को ‘एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया’ से सर्टिफिकेशन मिलता रहा है। यह खास 10वां संस्करण एक बार फिर साबरमती रिवरफ्रंट स्पोर्ट्स पार्क से शुरू होगा और धावकों को मशहूर साबरमती रिवरफ्रंट और अहमदाबाद की कुछ मशहूर जगहों से होकर ले जाएगा। इस मैराथन का आयोजन 29 नवंबर 2026 को होगा, जिसमें चार रेस कैटेगरी (फुल मैराथन, हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर दौड़) होंगी। स्पोर्ट्सवियर पार्टनर रीबॉक के साथ मिलकर डिजाइन की गई यह जर्सी मैराथन के एक दशक और उस इवेंट के शानदार विकास का जश्न मनाती है, जिसने अहमदाबाद और उसके बाहर धावकों के लगातार बढ़ते समुदाय को एक साथ लाने का काम किया है। अदाणी अहमदाबाद मैराथन अपने पहले एडिशन के बाद से काफी आगे बढ़ी है। पिछले एडिशन में 24,000 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया था। एक शहर की मैराथन से शुरू होकर, यह इवेंट अब एक बड़ा वार्षिक स्पोर्ट्स इवेंट बन गया है, जो दौड़ के प्रति जुनून के जरिए बेहतरीन एथलीट्स, शौकिया रनर्स, फिटनेस के शौकीनों, परिवारों और समुदाय को एक साथ जोड़ता है।

शेफाली के शतक से भारत ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में प्रवेश किया श्रीलंका से होगा खिताबी मुकाबला

आइची-नागोया ,एजेसी। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के तेजी से लगाये शतक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों के दूसरे सेमीफाइन में बांग्लादेश को 114 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब खिताबी मुकाबले में उसका सामना पहले सेमीफाइनल की विजेता श्रीलंका से होगा। बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 195 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 196 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछ करते हुए बांग्लादेश की टीम 15.4 ओवर में मात्र 81 रनों पर ही सिमट गयी। भारत की ओर से सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने रखी, जिन्होंने मात्र

49 गेंदों में 100 रनों की ऐतिहासिक और तुफानी पारी खेली। 196 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछ करने उतरी बांग्लादेशी टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने पूरी तरह बेबस नजर आई। भारतीय गेंदबाजों ने दूसरे ओवर से ही विकेट लेने शुरू कर दिए और लगातार दबाव बनाए रखा, जिससे बांग्लादेश की टीम बिखर गयी और 15.4 ओवर में मात्र 81 रन ही बना पायी। भारत की ओर से दीपि शर्मा

बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। शेफाली ने केवल 49 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 100 रनों की तुफानी पारी खेली। उनकी इस आतिशी बल्लेबाजी में तीन बेहतरीन चौके और नौ छक्के शामिल थे। यह उनके टी20 अंतर्राष्ट्रीय करियर का पहला शतक है। पावरप्ले के छह ओवरों में ही टीम ने 72 रन बटोरे, हालांकि इस दौरान एक विकेट खोया। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने तेजतर्रार अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 37 रनों की शानदार पारी खेली। उन्हें बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर ने आउट किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शेफाली वर्मा के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 94 रनों की एक बेहद महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई।

मंधाना टी20 अंतराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला खिलाड़ी बनीं

आइची-नागोया ,एजेसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी खिलाड़ी स्मृति मंधाना ने रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ एशियाई खेलों के सेमीफाइनल मुकाबले में अपनी 37 रनों की छोटी सी पारी खेलने के बाद भी इतिहास रच दिया। मंधाना ने अपने इस पारी के साथ ही महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाली न्यूजीलैंड की दिग्गज सुजी बेट्स को पीछे छोड़ दिया है। मंधाना के अब 178 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 30.69 के औसत से सबसे ज्यादा 4788 रन हो ही गए हैं। उन्होंने अब तक दो शतक और 36 अर्धशतकीय पारियां खेली हैं। इससे पहले, यह रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की पूर्व ऑलराउंडर सुजी बेट्स के पास था, जिन्होंने 186 मैचों में 4758 रन बनाए थे। बेट्स का औसत 28.83 था और उनके खाते में एक शतक व 28 अर्धशतक दर्ज थे। जून 2026 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाली बेट्स का यह रिकॉर्ड तोड़कर मंधाना ने अपने नाम कर महिला क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। मंधाना ने तीसरे ओवर की पांचवी गेंद पर शानदार चौका लगाकर सुजी बेट्स का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में, मंधाना अब शीर्ष पर हैं।

मनु भाकर अपने कोच जसपाल राणा को याद कर भावुक हुई

नागोया ,एजेसी। जापान में शुरू हुए एशियाई खेल 2026 में भारतीय दल की ध्वजवाहक रही निशानेबाज मनु भाकर इस खास अवसर पर अपने दिवंगत कोच और मेंटर जसपाल राणा को याद कर भावुक हो गयीं। मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में समारोह के बाद भाकर ने कहा, यह भावुक पल था। मुझे राणा सर की बहुत याद आई। यह क्षण भाकर के लिए सिर्फ ऐतिहासिक ही नहीं, बल्कि राणा की यादों से भी जुड़ा था, जिन्होंने उनके करियर में एक अमिट छाप छोड़ी थी। नागोया में आधिकारिक तौर पर शुरू हुए इन खेलों में भाकर ने कबड्डी स्टार पवन सहरावत के साथ भारतीय दल की अगुवाई की। दोनों ने एथलीटों की परेड के दौरान भारत का तिरंगा थामकर देश को गौरवान्वित किया, जो भारतीय दल के लिए एक यादगार पल था। हालांकि, भाकर के लिए यह मौका राणा की यादें भी ताजा कर गया, जिन्होंने उनके करियर में अहम भूमिका निभाई थी और टोक्यो 2020 ओलंपिक की निराशा के बाद उन्हें अपनी फॉर्म वापस पाने में मदद की थी।

एशियन गेम्स में सुचिका तारियाल ने किया कमाल

MMA में भारत के लिए मेडल किया

नागोया,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 में पारंपरिक मिक्स्ट मार्शल आर्ट (रूक) में सुचिका तारियाल ने भारत के लिए पहला मेडल पक्का किया। सुचिका ने 60 किलोग्राम वर्ग में मंगोलिया की अल्टाचिमेग बैंगलमा को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस तरह सुचिका ने भारत की झोली में पहला मेडल पक्का कर इतिहास रचने का काम किया। 36 साल की सुचिका अब सोमवार को सेमीफाइनल में उतरेगी। इस प्रतियोगिता में सेमीफाइनल में पहुंचने पर पदक पक्का हो जाता है क्योंकि अंतिम चार में हारने वाली दोनों खिलाड़ियों को ब्रॉन्ज मेडल मिलता है। भारत की सुचिका तारियाल जापान के नागोया में शुरू हुए एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। अनुभवी खिलाड़ी सुचिका महिलाओं के पारंपरिक मिश्रित मार्शल आर्ट्स (एमएमए) 60 किग्रा इवेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। इससे सुचिका का पदक पक्का हो गया है। क्वाटर फाइनल मुकाबले में सुचिका ने मंगोलिया की अल्टानचिमेग बैंगलमा को 2-0 से हराया। एमएमए के नियमों के अनुसार, सेमीफाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों को कांस्य पदक मिलेगा। इससे सुचिका का पदक अब



पक्का हो गया है। सुचिका ने जुझे, कुराश और जिउ-जित्सु जैसे कई कॉम्बैट स्पोर्ट्स में भी शानदार प्रदर्शन से अपने को साबित किया है। इसके अतिरिक्त, वह 2024 में जिउ-जित्सु वर्ल्ड चैंपियन भी खिताब विजेता हैं। खेल से कुछ समय के लिए दूरी बनाने के बाद, सुचिका ने मिक्स्ट मार्शल

आर्ट्स अपनाया। यूरेशिया क्षेत्र में 92वें नंबर की खिलाड़ी बैंगलमा के खिलाफ प्रदर्शन से सुचिका ने यह साबित कर दिया कि उनका अनुभव और क्षमता किसी से कम नहीं। उन्होंने मुकाबले पर पूरी तरह से पकड़ बनाए रखी और 2-0 की जीत के साथ अपना पदक पक्का किया।

संक्षिप्त समाचार

सेवा और सुशासन की पहल से ख़रब हुई टपकती छत की चिंता



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आमजन के जीवन को सुगम बनाने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाने के ध्येय के साथ, देश के प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों के निस्वार्थ सेवा, सुशासन एवं समर्पण की भावना को रेखांकित करता 'सेवा संकल्प अभियान' जन-जन के लिए उम्मीद की नई किरण बन चुका है। इसी पहल के तहत संचालित 'प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)' ने दुर्ग जिले के ग्राम पंचायत पुरदा निवासी हरीप्रसाद साहू की जिंदगी की तस्वीर ही बदल दी है। बरसों से एक मजबूत और सुरक्षित छत का इंतजार कर रहे इस परिवार के लिए यह योजना खुशहाली का नया संवेरा लेकर आई।

सौमित आमदनी के कारण हरीप्रसाद के लिए स्वयं के बलबूते पक्का घर बनाना असंभव था। उनका परिवार मिट्टी की दीवारों और खपरेल वाली कच्ची झोपड़ी में रहने को मजबूर था। बारिश के दिनों में छत से टपकते पानी के कारण उन्हें पूरी रात जागकर गुजारनी पड़ती थी। इसी दौरान ग्राम पंचायत से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की जानकारी मिलने पर उन्होंने आवेदन किया। स्वीकृति मिलते ही मकान निर्माण की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में हस्तांतरित हो गई, जिससे उनका पक्का घर बनने का रास्ता साफ हुआ। इस सरकारी इम्पाद के बल पर उन्होंने लगन के साथ अपना मजबूत, सुंदर और सुरक्षित पक्का आशियाना तैयार कर लिया।

'सेवा संकल्प' से ख़रब हुई ग्रामीण महिलाएं, गौरी साहू ने पानी पाउत्र निर्माण से गढ़ी आरम्भिकता की नई गाथा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के निस्वार्थ सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के संकल्पों को समर्पित 'सेवा संकल्प' अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन का नया माध्यम बन रहा है। शासन की कल्याणकारी योजनाओं और वित्तीय सहयोग के बल पर दुर्ग जिले की ग्रामीण महिलाएं संगठित होकर न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत भी बन रही हैं। इसी कड़ी में 'गौरी महिला स्व-सहायता समूह' ने सामूहिक प्रयास और विकास गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की एक मिसाल कायम की है।

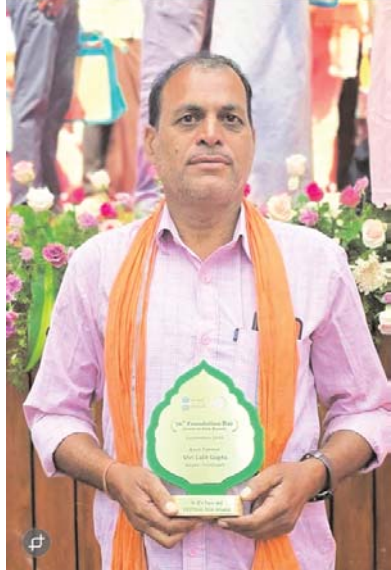
दुर्ग विकासखंड के अंतर्गत रिसामा की 12 ग्रामीण महिलाओं को जोड़कर 'गौरी महिला स्व-सहायता समूह' का गठन किया गया था। नियमित बचत और छोटे स्तर पर आर्थिक गतिविधियों की शुरुआत करने के बाद समूह ने अपने कदम आगे बढ़ाए। विकास को विस्तार देने के उद्देश्य से समूह ने क्लस्टर लेवल फेडरेशन (सीएलएफ) से लगभग 60 हजार की वित्तीय सहायता प्राप्त की और पानी पाउत्र निर्माण समीची की खरीदी की। समूह की महिलाओं ने स्वयं उत्पादन, पैकिंग और प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालते हुए व्यवसाय का सफल संचालन शुरू किया। शुरुआती दौर में समूह की मासिक आय लगभग 10 हजार रूपए थी। और समूह की मासिक आय बढ़कर लगभग 20 हजार रूपए तथा वार्षिक आय 2.40 लाख रूपए से अधिक तक पहुँच गई है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत पुसौर में यूडीआईडी कार्ड के लिए विशेष शिविर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं से जोड़ने के उद्देश्य से रायगढ़ जिले के जनपद पंचायत पुसौर के मंगल भवन में यूडीआईडी कार्ड बनाने के लिए विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में क्षेत्र के दिव्यांगजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 152 दिव्यांगजनों का पंजीजन किया गया। शिविर में जनपद पंचायत पुसौर की अध्यक्ष मती हेमलता चौहान एवं कृषि सभापति मुक्तेश्वर पण्ड उपस्थित रहे। जनपद अध्यक्ष ने हितग्राहियों से चर्चा कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली तथा उपस्थित चिकित्सकों से चिकित्सा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। शिविर में जिला चिकित्सालय रायगढ़ के जिला मेडिकल बोर्ड की की चिकित्सकीय टीम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने पंजीजन एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को सुचारु रूप से संपन्न कराने में सक्रिय भूमिका निभाई।

मजदूरी से रेशम पालन तक: ललित ने टसर कोसा से संवारे परिवार के सपने रेशम पालन से तीन वर्षों में 4.50 लाख रुपये की अतिरिक्त आय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कभी भूमिहीन होने के कारण मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले रायगढ़ जिले के तमनार विकासखंड के ग्राम आमाघाट निवासी ललित गुप्ता ने मेहनत, लगन और विभागीय मार्गदर्शन से अपनी जिंदगी की दिशा बदल दी। टसर कुमिपालन और टसर बीज निर्माण को उन्होंने अतिरिक्त आय के साधन के रूप में अपनाया और देखते ही देखते यही काम उनके परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार बन गया। पिछले तीन वर्षों में रेशम पालन से उन्हें करीब 4.50 लाख रुपये की अतिरिक्त आमदनी हुई। इसी आय से उन्होंने अपनी बेटी का विवाह किया, कच्चे मकान को पक्का कराया और परिवार की अन्य जरूरतें पूरी करने के साथ भविष्य के लिए भी आर्थिक सुरक्षा तैयार की। ललित गुप्ता की मेहनत को राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली। वर्ष 2024-25 में करीब 1.05 लाख टसर कोसा का उत्पादन



करने पर उन्हें 'मेरा रेशम मेरा अभिमान' अभियान के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ टसर कोसा उत्पादक का सम्मान प्रदान किया गया। मजदूरी की सीमित आय से शुरू हुआ बदलाव का सफर वनांचल क्षेत्र में स्थित ग्राम आमाघाट निवासी ललित गुप्ता के लिए भूमिहीन होने के कारण परिवार का भरण-पोषण आसान नहीं था। मजदूरी ही उनकी आय का मुख्य साधन थी। परिवार की जरूरतें बढ़ने के साथ उन्होंने अतिरिक्त आमदनी के अवसर तलाशे। इसी दौरान वे रेशम विभाग के आमाघाट केंद्र से जुड़े और टसर कुमिपालन एवं टसर बीज निर्माण का कार्य शुरू किया। शुरुआत में आमदनी सीमित रही, लेकिन उन्होंने इसे छोड़ने के बजाय लगातार सीखने और काम को बेहतर करने पर ध्यान दिया। विभागीय मार्गदर्शन से साथ उन्होंने टसर कुमिपालन की तकनीकों को समझा और धीरे-धीरे उत्पादन बढ़ाया। मेहनत का परिणाम यह रहा कि रेशम पालन से होने वाली उनकी

आमदनी लगातार बढ़ती गई।

टसर कोसा उत्पादन ने बढ़ाई आमदनी: पिछले तीन वर्षों में टसर कुमिपालन एवं टसर बीज निर्माण से ललित गुप्ता को लगभग 4.50 लाख रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त हुई। वर्ष 2024-25 में उन्होंने करीब 1.05 लाख टसर कोसा का उत्पादन किया, जिसके एवज में उन्हें 1.93 लाख रुपये का भुगतान प्राप्त हुआ। वहीं टसर बीज निर्माण से भी उन्हें लगभग 30 हजार रुपये की अतिरिक्त आमदनी हुई। इस अतिरिक्त आय ने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रेशम पालन अब उनके लिए केवल आय का साधन नहीं, बल्कि परिवार के सपनों को पूरा करने का जरिया बन चुका है।

जरूरतों को पूरा करने में किया। उन्होंने अपनी पुत्री का विवाह संपन्न कराया और वर्षों से कच्चे मकान को पक्का कराया। इसके साथ ही वे स्वयं और अपनी पत्नी के लिए प्रतिवर्ष करीब 40 हजार रुपये की बीमा किस्त जमा करते हैं। दैनिक जरूरत के लिए उन्होंने नई मोटरसाइकिल भी खरीदी है। इन उपलब्धियों के पीछे उनकी सोच केवल वर्तमान जरूरतें पूरी करने तक सीमित नहीं रही। उन्होंने अपनी आमदनी का उपयोग परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने और जीवन स्तर को बेहतर बनाने में किया। मेहनत को मिला राष्ट्रीय सम्मान ललित गुप्ता के टसर उत्पादन की गुणवत्ता और मेहनत को वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। 'मेरा रेशम मेरा अभिमान' अभियान के अंतर्गत उन्हें केंद्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, बेंगलुरु (कनॉटक) द्वारा सर्वश्रेष्ठ टसर कोसा उत्पादक का पुरस्कार प्रदान किया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जीपीएम में संकुल स्तरीय चित्रकला, रंगोली एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जीपीएम जिले में विभिन्न रचनात्मक एवं जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न संकुलों में 'मेरे सपनों का भारत-चित्र सेवा' थीम पर चित्रकला, रंगोली एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रविभा, विचारों तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त किया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवसा, विकासखंड गौरला में संकुल स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें संकुल केंद्र नेवसा के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों से चर्चित छत्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य पवन पैकारा रहे। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष शिवनाथ बघेल,



तथा कुमारी शिवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी स्तर की चित्रकला प्रतियोगिता में विकास कुमार प्रथम, अमित धुवे द्वितीय तथा कुमारी पुष्पा परस्ते तृतीय स्थान पर रही। मुख्य अतिथि पवन पैकारा ने सभी विजेता एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के साथ उनमें संस्कार, सामाजिक जिम्मेदारी एवं राष्ट्र सेवा की भावना को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान कर रहा है। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। हायर

सेकेंडरी स्कूल सरकारी पारा पेड़ा में न्योता भोज का आयोजन सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत हायर सेकेंडरी स्कूल सरकारी पारा पेड़ा में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत न्योता भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उषेंद्र बहादुर सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमाध्यम नागरिक शामिल हुए। न्योता भोज के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ सहभागिता और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा दिया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने बच्चों के साथ सहभागिता करते हुए शिक्षा, पोषण एवं संस्कार के महत्व को रेखांकित किया। जीपीएम में आयोजित इन गतिविधियों के माध्यम से सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी से जोड़ते हुए विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता, सामाजिक जागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति उनके संकल्प को प्रोत्साहित किया गया।

बारिश में खराब सड़कों पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जताई नाराजगी, 15 अक्टूबर तक सुधारने के दिए

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं, मंडलों के अधीक्षण अभियंताओं और संभागों के कार्यपालन अभियंताओं की बैठक लेकर प्रदेशभर में सड़कों और पुलों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बारिश में सड़कों की खराब स्थिति पर गहरी नाराजगी जताते हुए, राष्ट्रीय राजमार्गों सहित सभी क्षतिग्रस्त सड़कों व पुलों की मरम्मत 15 अक्टूबर तक करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त ऐसे सभी नए कार्यों जिनकी निविदा की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, उनके निर्माण 15 अक्टूबर से युद्धस्तर पर प्रारंभ करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल और प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी भी बैठक में मौजूद थे। सभी संभागों के कार्यपालन अभियंता वीडियो कॉन्फ्रेंस से बैठक में जुड़े। उप मुख्यमंत्री



स्थिति जांचने को कहा। उन्होंने सड़कों, पुलों और डिवाइडर्स की मरम्मत के साथ ही उनकी साफ-सफाई एवं गंवाई-पुताई भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्यपालन अभियंताओं को सप्ताह में दो-तीन दिन फील्ड में रहने को कहा। साव ने निविदा की प्रक्रिया पूर्ण हो चुके सभी कार्यों की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्यों को आगामी 15 अक्टूबर से पूर्ण गति से शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों के दौरान लोगों को कम से कम परेशानी

सेवा संकल्प अभियान : 'सेवा संकल्प अभियान' में बच्चों ने भरी सपनों

'मेरे सपनों का भारत' प्रतियोगिता में बच्चों के सृजन को मिला मंच

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन द्वारा जनसेवा और सुशासन के उद्देश्य से संचालित किए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत बालोद जिले के शालेय विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण एवं स्वच्छता के प्रति असीम उत्साह देखा जा रहा है। अभियान के तहत शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में आयोजित 'मेरे सपनों का भारत' चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से नौनिहाल अपनी कल्पनाओं और रचनात्मकता के जरिए स्वच्छ व सशक्त भारत का खाका खींच रहे हैं। छात्र तुषार गावरे ने प्रतियोगिता में अपने सपनों के स्वच्छ और सुंदर भारत की परिकल्पना को रंगों के माध्यम से कागज पर जीवंत रूप दिया। तुषार ने बताया कि उनके सपनों का भारत पूर्णतः स्वच्छ, हरा-भरा और कचरा-मुक्त होना चाहिए। उन्होंने अपनी पेंटिंग के माध्यम से नागरिकों को जागरूक करते हुए संदेश दिया कि सभी लोग



ईडिया, ग्रीन एनर्जी एवं 'विकसित भारत 2047' की थीम पर शानदार पेंटिंग तैयार की। रागिनी ने अपनी चित्रकला के माध्यम से आधुनिक तकनीक, सौर व हरित ऊर्जा के संवर्धन तथा पर्यावरण संतुलन के साथ 2047 तक भारत को विश्व पटल पर अग्रणी एवं विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को बड़े ही सुंदर और विचारोत्तेजक ढंग से दर्शाया। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने छात्र तुषार गावरे और छात्रा रागिनी देशमुख की इस मौलिक सोच व रचनात्मक प्रसूति की मुक्तकंठ से सराहना की। विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों ने भी अपनी मनमोहक पेंटिंग्स के जरिए पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भर भारत और विकसित राष्ट्र के सपनों को बड़े ही रचनात्मक ढंग से प्रदर्शित किया। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों की इस मौलिक सोच और सामाजिक सरोकार की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'हर परिवार को पक्का घर' के विजन से साकार हुआ अमृतलाल का सपना

कच्चे मकान की परेशानियों से मिली मुक्ति, प्रधानमंत्री आवास योजना से मिला सुरक्षित और सम्मानजनक आशियाना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रत्येक परिवार को सुरक्षित, मजबूत और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने के संकल्प को प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से देशभर में नई गति मिल रही है। इस योजना ने जरूरतमंद परिवारों के अपने पक्के घर के सपने को साकार करने का रास्ता आसान किया है। गौरला विकासखंड के ग्राम पंचायत पंडरीपानी निवासी अमृतलाल का परिवार भी इस बदलाव का उदाहरण है। लंबे समय तक कच्चे मिट्टी के मकान में रहने के बाद अब उनका परिवार अपने पक्के और सुरक्षित आवास में सुखमय जीवन व्यतीत कर रहा है।

कच्चे मकान में बारिश के दिनों में होती थी परेशान: अमृतलाल बताते हैं कि पक्का मकान बनने से पहले उनका परिवार कच्चे मिट्टी के मकान में रहता था। बरसात के दिनों में घर की छत से पानी टपकने लगता था और दीवारों में सीलन आ जाती थी। बारिश के साथ मौसम की अन्य परिस्थितियों में भी परिवार को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कच्चे मकान में रहना न केवल असुविधाजनक था, बल्कि परिवार की सुरक्षा और बच्चों की पढ़ाई के लिए भी बेहतर वातावरण उपलब्ध नहीं हो पाता था। प्रधानमंत्री आवास योजना ने पूरा किया पक्के घर का सपना ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अमृतलाल को पक्का आवास



आवास में रह रहा है। नया घर उनके लिए केवल ईंट और दीवारों से बना भवन नहीं, बल्कि सुरक्षित भविष्य और सम्मानजनक जीवन का आधार बन गया है नए घर ने बदली परिवार की दिनचर्या पक्का आवास मिलने के बाद अमृतलाल के परिवार के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। अब बारिश के दौरान छत से पानी टपकने और दीवारों में सीलन जैसी परेशानियों से राहत मिल गई है। परिवार के सभी सदस्य स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर वातावरण में रह रहे हैं। आवास की सुविधा ने परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी को अधिक सहज और व्यवस्थित बनाया है। बच्चों को मिला पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल नए पक्के मकान का सकारात्मक प्रभाव परिवार के बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ा है। अब उन्हें पढ़ने के लिए सुरक्षित और शांत वातावरण मिल रहा है। अमृतलाल बताते हैं कि पक्के घर ने परिवार की सुविधाओं को बढ़ाने के साथ बच्चों के भविष्य के लिए भी बेहतर माहौल उपलब्ध कराया है। घर में खुशहाली का वातावरण है और परिवार अपने भविष्य को लेकर अधिक आश्वस्त महसूस करता है। पक्का घर बना सम्मान और सुरक्षा का आधार प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से मिला पक्का मकान अमृतलाल के परिवार के लिए सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व का प्रतीक बन गया है। कच्चे मकान की कठिन परिस्थितियों से निकलकर पक्के आवास में

पहुँचना उनके जीवन में आए महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। अब परिवार को मौसम की चुनौतियों के बीच अपने घर की सुरक्षा को लेकर पहले जैसी चिंता नहीं रहती। अमृतलाल बोले- प्रधानमंत्री आवास योजना ने दी नई पहचान अपने अनुभव साझा करते हुए अमृतलाल ने कहा कि पक्का मकान उनके परिवार के लिए बहुत बड़ी खुशी और राहत लेकर आया है। प्रधानमंत्री आवास योजना से उनका वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योजना के माध्यम से उनके परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिला है। हर परिवार के पक्के घर के संकल्प को मिल रही मजबूती अमृतलाल का परिवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विजन का उदाहरण है, जिसमें हर जरूरतमंद परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे परिवारों को पक्की छत मिल रही है, जिनके लिए कभी मजबूत और सुरक्षित घर का सपना दूर की बात थी। अमृतलाल का परिवार अपने पक्के घर में निश्चित होकर जीवन व्यतीत कर रहा है। उनके लिए यह आवास सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि परिवार की सुरक्षा, बच्चों के बेहतर भविष्य और सम्मानजनक जीवन की नई शुरुआत है।